उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः14 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 04 मई-2026

अंदर के पृष्ठ पर | कांग्रेस जिलाध्यक्ष के हस्तक्षेप पर दर्ज हुआ हत्या का मुकदमा 8 | गंगा एक्सप्रेस-वे का मोदी ने किया उद्घाटन, हरिद्वार से जुड़ाव का बड़ा ऐलान 5

हृदय विदारक घटना

दिल्ली में भीषण अग्निकांड: विवेक विहार में एसी ब्लास्ट

चार मंजिला इमारत में लगी आग, नौ की मौत; दो घायल

चिकित्सा उपचार के लिए गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया, शवों की पहचान करना मुश्किल

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में आग लगने की बड़ी घटना सामने आई है। यहां एक चार मंजिला इमारत में आग लग गई। आग की चपेट में आने से नौ लोगों की मौत हो गई है। जबकि दो घायल हो गए। शव बुरी तरह से जले हुए मिले हैं। इनकी पहचान भी मुश्किल हो गई है।दिल्ली के विवेक विहार में देर रात छह फ्लैटों में अचानक आग लग गई। सुबह 3:47 पर आग लगने की सूचना दमकल विभाग को मिली। जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग लगने की बाद उसमें कई लोग फंस गए जिन्हें दमकल की टीम ने निकाला। 16 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। नौ लोगों की मौत हो गई है।

फायर ऑफिसर मुकेश वर्मा ने कहा कि हमें सुबह करीब 3:47 बजे इस इमारत में आग लगने की सूचना मिली। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग बुझाने के साथ-साथ हमने बचाव अभियान भी चलाया। हमने 15 लोगों को बचाया। बचाव अभियान के दौरान नौ शव बरामद किए गए। तलाशी अभियान अब समाप्त हो चुका है।

जानकारी के अनुसार, विवेक विहार पुलिस स्टेशन में आग लगने की घटना के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही, पुलिसकर्मी स।ह विवेक विहार और ACP विवेक विहार के साथ तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हो गए।

आग दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर स्थित फ्लैटों में लगी हुई थी। बचाव और आग बुझाने के कार्यों के दौरान इमारत से 10-15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इनमें से दो लोगों को मामूली चोटें आई थीं, जिन्हें चिकित्सा उपचार के लिए गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटनास्थल पर कर्मचारियों, ट्रैफिक अधिकारियों और स्थानीय पुलिस के साथ दमकल की 12 गाड़ियां मौजूद हैं। प्रारंभिक जांच के दौरान, यह पाया गया है कि आग लगने की इस घटना में नौ लोगों की जान चली गई है।

अधिकारी मुकेश वर्मा ने बताया, सुबह 3:47 बजे एक रिहायशी इमारत में आग लगने की रिपोर्ट मिलते ही, हमारी दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। हमने एक साथ आग बुझाने और बचाव अभियान चलाने के लिए पांच सीढ़ियां, कटिंग टूल्स और अपनी खास टर्नटेबल सीढ़ी का इस्तेमाल किया... इस इमारत में 4 मंजिलें हैं और हर मंजिल पर 4BHK फ्लैट हैं... आग का ज़्यादातर हिस्सा इमारत के पिछले हिस्से में फैला हुआ था, और वहीं हमें सबसे ज़्यादा हताहत लोग मिले।

खिड़कियों पर सुरक्षा के लिए ग्रिल और सलाखें लगी हुई थीं, जिससे बचाव अभियान के दौरान मुश्किलें आईं। हमने लगभग 15 लोगों को बचाया। उनमें से एक व्यक्ति के शरीर का लगभग 30% हिस्सा जल गया था, जिसे बाद में GTB अस्पताल में भर्ती कराया गया... हमने इमारत की अलग-अलग मंजिलों से कुल नौ शव बरामद किए, जिन्हें हमने दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम को सौंप दिया है... आग लगने की वजह की अभी जांच चल रही है। पुलिस इस मामले की जांच करेगी और इस बारे में एक रिपोर्ट सौंपेगी... अभी तक, हमने जितने भी शव बरामद किए हैं, वे सभी बुरी तरह से जल चुके हैं; हम उन सभी को एम्बुलेंस से अस्पताल ले गए हैं।

शवों की पहचान करना मुश्किल

स्थानीय नगर पार्षद पंकज लूथरा कहते हैं, सूचना मिलते ही मैं तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गया। मैं अभी-अभी ऊपर की मंज़िलों से नीचे आया हूं। दूसरी मंजिल के पिछले हिस्से में पांच शव मिले हैं। एक और शव पिछले हिस्से में मिला, और तीन शव सबसे ऊपरी मंजिल पर मिले हैं। अभी पहचान करना नामुमकिन है।

मां के सीने से चिपका था डेढ़ साल के बेटे का शव

» बीपीएस न्यूज

इस घटना में एक ही परिवार के पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। विवेक विहार हादसे में जान गंवाने वाले अरविंद जैन के साले संजय जैन ने बताया के करीब 10 साल पहले परिवार सीलमपुर के गौतमपुरी से विवेक विहार में शिफ्ट हुआ था। इस घटना में उनके बहनोई अरविंद जैन (62 वर्ष), बहन अनिता जैन, उनके बेटे निशांक जैन (34 वर्ष), बहु आंचल और डेढ़ वर्ष के पोते आरु की मौत हो गई। घर के अंदर सबकुछ जलकर खाक हो गया है। शरीर को देखकर पहचान कर पाना मुश्किल था। आरु के शरीर का हिस्सा अपने मां के छाती चिपका मिला।उन्होंने बताया कि अरविंद के बेटे दीपक का डीएनए लिया गया है। दीपक अपने बेटे का जन्मदिन मनाने के लिए मानेसर गया था। उनके साथ निशांक को भी जाना था, लेकिन किसी कारण वह नहीं जा पाए। रविवार सुबह निशांक को भी परिवार के साथ मानेसर जाना था। रात 12 बजे दोनों भाइयों की वीडियो कॉल पर बात हुई थी और केक भी काटा था। तड़के करीब 3:30 बजे यह घटना हो गई। जिसमें परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई।

मल्लिकार्जुन खरगे का दावा- तमिलनाडु व केरल में इंडी गठबंधन की जीत तय

कलबुर्गी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि तमिलनाडु और केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन जीत हासिल करेगा। असम में हमें कम सीटें मिलने का अनुमान एग्जिट पोल में जताया गया है, लेकिन हम उससे ज्यादा सीटें जीतेंगे।

कांग्रेस नेता खरगे यहां कलबुर्गी में पांच राज्यों चुनाव के नतीजों को लेकर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए खरगे ने कहा कि वहां तृणमूल कांग्रेस के आगे रहने की संभावना है। एनडीए दलों ने टीएमसी को कड़ी टक्कर दी है, जबकि कांग्रेस इस बार अकेले चुनाव मैदान में उतरी थी। उन्होंने कहा कि भाजपा और टीएमसी दोनों ही जीत का दावा कर रही हैं। दो दिन इंतजार कर लें, उसके बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। पूर्ण नतीजे आने के बाद पश्चिम बंगाल में टीएमसी को समर्थन देने पर चर्चा करेंगे। कर्नाटक की राजनीति में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों से जुड़े सवाल पर खरगे ने कहा कि इस मुद्दे को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा।

बंगाल समेत अन्य राज्यों की मतगणना आज

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों की घड़ी अब करीब है। सोमवार को राज्य की 293 सीटों (फालता को छोड़कर) पर होने वाली मतगणना को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए चुनाव आयोग ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। आयोग ने शनिवार को काउंटिंग ऑब्जर्वर की आधिकारिक सूची जारी कर दी है, जिसके तहत कुल 432 पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है।आयोग की सूची के अनुसार, उत्तर 24 परगना जिला इस बार मतगणना के केंद्र में रहने वाला है। यहां की 33 सीटों के लिए सर्वाधिक 49 काउंटिंग ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं। इसके ठीक बाद दक्षिण 24 परगना का नंबर आता है, जहां 31 सीटों के लिए 45 पर्यवेक्षकों की भारी-भरकम टीम तैनात की गई है। हालांकि, फालता सीट पर गणना टलने के कारण इस संख्या में मामूली फेरबदल की संभावना है।

जहां एक ओर बड़े जिलों में आब्जर्वर्स की फौज उतारी गई है, वहीं अलीपुरद्वार में सबसे कम पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। यहां की पांच सीटों के लिए केवल छह ऑब्जर्वर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजधानी कोलकाता की बात करें तो यहाँ की 11 सीटों के लिए 12 पर्यवेक्षक तैनात रहेंगे।

इस बार आयोग ने उन विधानसभा क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया है जहां एक से अधिक मतगणना कक्ष हैं। ऐसे केंद्रों के लिए 165 अतिरिक्त काउंटिंग ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं, जो पहले से तैनात पर्यवेक्षकों की सहायता करेंगे।

यूपी ने बनाया 9 साल में 9 लाख से अधिक नौकरी, देने का रिकॉर्ड : सीएम

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी दी गई है। यह किसी भी राज्य में सर्वाधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया को सकुशल एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करने का रिकॉर्ड है। सिर्फ अधीनस्थ चयन आयोग इस वर्ष 32 हजार से अधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया संपन्न करेगा। शिक्षा चयन आयोग हजारों शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी करेगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को लगभग 15 हजार भर्तियां करनी है। इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष (2026-27) में डेढ़ लाख से अधिक सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया संपन्न होनी है। प्रक्रिया में किसी प्रकार की सेंध न लगे, इसके लिए सख्त कानून भी बनाया है, जिसके तहत सेंधमारी

करने वालों को आजीवन कारावास की सजा और उसकी पूरी संपत्ति को जब्त किया जाता है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोक भवन में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के लिए नवचयनित 357 कनिष्ठ विश्लेषकों (औषधि) तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के नवचयनित 252 दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कहीं। अपने संबोधन के पहले मुख्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र वितरित किए।मुख्यमंत्री ने कहा कि हर माता-पिता की इच्छा होती है कि उनका बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर एक सुरक्षित और बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़े। इसके लिए वे हरसंभव प्रयास करते हैं, लेकिन जब अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, तो न केवल उस युवा के सपने टूटते हैं, बल्कि उसके माता-पिता और परिवार से जुड़े अन्य लोगों की उम्मीदें भी चकनाचूर हो जाती हैं। किसी युवा के सपनों का टूटना केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के साथ धोखा है। उत्तर प्रदेश की 'बीमारू राज्य' के रूप में पहचान बनाने में चयन प्रक्रियाओं में भेदभाव, बेईमानी और भ्रष्टाचार की भूमिका थी। भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताएं इतनी अधिक थीं कि न्यायालय को बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ता था।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले लगभग हर नियुक्ति प्रक्रिया पर कहीं न कहीं कोर्ट स्टे लगते थे, न्यायालय से कड़ी टिप्पणियां मिलती थीं। स्थिति यह थी कि जो व्यक्ति पात्र नहीं था, वह भी आयोग का चेयरमैन बन जाता था। यहां तक कि फर्जी डिग्री वाले लोग चयन प्रक्रिया का नेतृत्व कर रहे थे। पैसे के लेनदेन के कारण भर्तियां प्रभावित होती थीं और योग्य उम्मीदवारों को अवसर नहीं मिल पाता था। वर्तमान समय में कई युवा उस दौर से अनभिज्ञ हैं, क्योंकि वे तब नाबालिग थे। वर्ष 2017 के बाद भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया गया है। इसका परिणाम यह है कि अब तक पुलिस विभाग में 2,20,000 से अधिक भर्तियां सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं।

बरगी हादसे के बाद बड़ा सवाल : बगैर बीमा के कैसे चल रहा था 20 साल पुराना क्रूज, जवाब में अफसरों की टालमटोल

जबलपुर के बरगी डैम में 30 अप्रैल को हुए क्रूज हादसे में 13 लोगों की मौत के बाद बड़ा खुलासा हुआ है कि 20 साल पुराना यह जलयान बिना वैध बीमा के संचालित किया जा रहा था। यह केंद्र के कानून का सीधा उल्लंघन है। क्रूज के जीवनकाल यानी फिटनेस और उसे जांच के पहले ही तोड़ने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हादसे के बाद क्रूज के बीमा को लेकर जिम्मेदार अफसरों के बयान टालमटोल भरे हैं, जिससे प्रशासनिक लापरवाही भी सामने आई है। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम में हुए दर्दनाक क्रूज हादसे में 13 लोगों की मौत ने पर्यटन विभाग के पूरे सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हादसे में 4 बच्चे, 8 महिलाएं और 1 पुरुष अपनी जान गंवा चुके हैं। अब इस मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जिस क्रूज में पर्यटक सवार थे, वह बिना वैध बीमा के संचालित किया जा रहा था। यह भारत सरकार के द इनलैंड वेसल्स एक्ट, 2021 का खुला उल्लंघन हैं। यह आपराधिक कृत्य है।

क्या है भारत सरकार का कानून

भारत सरकार के द इनलैंड वेसल्स एक्ट, 2021 के अनुसार, किसी भी यांत्रिक जलयान को अंतर्देशीय जलक्षेत्र में चलाने के लिए अनिवार्य बीमा होना जरूरी है। कानून साफ तौर पर कहता है कि यात्रियों की मृत्यु या चोट की स्थिति में मुआवजा कवर होना चाहिए। संपत्ति के नुकसान की जिम्मेदारी तय हो, संचालन और आकस्मिक प्रदूषण की देनदारी शामिल हो। यह बीमा जलयान की कुल संभावित देनदारी के बराबर होना अनिवार्य है। इन प्रावधानों के बावजूद बरगी में चल रहा क्रूज नियमों की अनदेखी कर चलाया जा रहा था।

क्रूज का दो साल पहले री-फिट कराया था, पर बड़ा सवाल जांच से पहले ही क्यों तोड़ाबरगी डैम क्रूज हादसे में अब तकनीकी पहलुओं को लेकर नए दावे सामने आए हैं। पर्यटन निगम के सलाहकार व पूर्व नौसेना कमांडर राजेंद्र निगम ने बताया कि वर्ष 2024 में क्रूज का मीडियम री-फिट किया गया था, जिस पर करीब 38 लाख खर्च किए गए। इस दौरान क्रूज के शॉफ्ट, हुल, इंजन सहित 17 प्रमुख तकनीकी बदलाव किए गए और क्रूज को करीब 6 महीने सर्विसिंग के बाद फिर से संचालन में लाया गया।

अंबेडकर नगर: घर पहुंचे चार सगे भाई-बहन के शव तो रो पड़ा गांव

हत्या करके मां अब तक फरार, पिता सऊदी अरब में

» बीपीएस न्यूज

- बच्चों के चाचा बोले यह अकेले उसका काम नहीं, कोई और शामिल
- पुलिस को जांच में ये चीजें मिलीं, बर्तनों से मिले ये संकेत

अंबेडकर नगर ।अकबरपुर के मीरानपुर मुरादाबाद में चार मासूम बच्चों की हत्या मामले में रविवार को महरुआ के कसड़ा गांव का माहौल बेहद भारी नजर आया। दोपहर करीब एक बजे जैसे ही पोस्टमार्टम के बाद चारों मासूम बच्चों के शव गांव पहुंचे, पूरे इलाके में चीख-पुकार गूंज उठी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और गांव का माहौल शोक में डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। हर कोई बच्चों के अंतिम दर्शन के लिए घर के बाहर जमा हो गया।

लोगों की भीड़ देर तक बनी रही और पूरे गांव में सन्नाटा पसरा रहा।

जोहर की नमाज के बाद चारों बच्चों का अंतिम संस्कार किया गया। एक साथ चार जनाजे उठने का दृश्य हर किसी को अंदर तक झकझोर गया। गांव के कब्रिस्तान में सऊद (12) और उमर (10) को एक साथ दफन किया गया, जबकि शफीक (14) और बयान (8) को पास में ही अलग-अलग सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव व कई थानों की पुलिस उपस्थित रही। बता दें कि शनिवार को मीरानपुर मुरादाबाद में एक घर के अंदर चारों बच्चों के शव खून से लथपथ मिले थे। शुरुआती जांच में ईंट और हथौड़े से हमला कर हत्या की बात सामने आई थी।

घर अंदर से बंद मिला था और मां गासिया खातून के लापता होने से उस पर शक गहराया था। आशंका जताई गई थी कि बच्चों को पहले नशीला पदार्थ दिया गया और फिर वारदात को अंजाम दिया गया।

घटना के 24 घंटे बाद भी पुलिस किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। कई टीमें जांच में लगी हैं, लेकिन अब तक कोई स्पष्ट सुराग हाथ नहीं लगा है।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। साथ ही, घटनास्थल से मिले मोबाइल फोन को अनलॉक करने का प्रयास किया जा रहा है। कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) भी खंगाले जा रहे हैं, लेकिन फिलहाल इससे भी कोई अहम जानकारी नहीं मिल सकी है।

ने अमर उजाला से बातचीत में कहा कि उनकी बेटी गासिया खातून इस तरह का कृत्य नहीं कर सकती।

अकेले गासिया नहीं कर सकती वारदात : बड़े पापा

मृत बच्चों के बड़े पापा सलीम ने कहा कि गासिया खातून अकेले इस घटना को अंजाम नहीं दे सकती। उन्होंने आशंका जताई कि इस पूरे घटनाक्रम में अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं और मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। शुक्रवार को नियाज की पत्नी और बच्चों से फोन पर बातचीत भी हुई थी, जिसमें किसी तरह की अनहोनी के संकेत नहीं थे। ऐसे में अचानक इस तरह की घटना होना कई सवाल खड़े करता है।

बुआ के बेटे से हुआ था निकाह

नियाज उनकी सगी बहन का बेटा था। इसी से उन्होंने बेटी गासिया का निकाह किया था। इस घटना से मायके पक्ष के लोग भी स्तब्ध हैं। पुलिस से हुई बातचीत में नियाज ने अपनी पत्नी गासिया के सीधे-साधे होने की बात कही है। प्राची सिंह ने बताया कि कमरे की दीवार से लेकर बिस्तर तक खून के छींटे फैले थे। बच्चों के उल्टी करने के भी निशान मिले हैं। शक है कि हत्या से पहले खाने में कुछ विषैला पदार्थ मिलाकर दिया गया। इसके बाद बेरहमी से हत्या की गई। बच्चों के सिर पर ईंट व हथौड़े से प्रहार किए जाने की आशंका है। हालांकि कमरे से ऐसा कुछ नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि बेटी के खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं और किसी रंजिश या दुश्मनी के चलते यह मामला बनाया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि परिवार में दांपत्य जीवन को लेकर किसी तरह का विवाद नहीं था। नाना के अनुसार, घटना को किसी और दिशा में मोड़ने की कोशिश की जा रही है और असली दोषी किसी और हो सकता है। परिवार सामान्य जीवन जी रहा था और किसी बड़े विवाद की स्थिति नहीं थी। उन्होंने आशंका जताई कि किसी दुश्मनी के चलते पूरे मामले को गलत रूप दिया जा रहा है।

अपनी बात....

संपादकीय .....

गहन चिकित्सा देखभाल के संवेदनशील दिशानिर्देश

अक्सर ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि देश के किसी भाग में किसी निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज के ठीक होने या ठीक होने की संभावना के बावजूद उसे डिस्चार्ज नहीं किया जाता है। वजह होती है कि अस्पताल का अनवरत गति से चलने वाला कमाई का मीटर। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था का मानवीय व संवेदनशील होना अपरिहार्य है। इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। उन्हें अन्य सामान्य वार्डों में स्थानांतरित किया जा सकता है। निश्चित रूप से न्यायालय के ये निर्देश चिकित्सकीय और नैतिक दोनों ही हैं। जो बताते हैं कि जरूरी न होने के बावजूद मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में रखना अनुचित है। यह एक हकीकत है कि मानकीकृत आईसीयू प्रोटोकॉल के अभाव में एक अस्पष्ट स्थिति पैदा हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज से जुड़े निर्णय असमंजस का शिकार होकर रह जाते हैं। वास्तव में आईसीयू में भर्ती मरीजों के तिमारदारों को चिकित्सा प्रक्रिया की गहन जानकारी अक्सर नहीं होती है। वे केवल चिकित्सक के दिशा-निर्देशों पर ही निर्भर होकर रह जाते हैं। यही वजह है कि अस्पताल प्रबंधन के रहमो-करम पर मरीज को महंगे आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहने को मजबूर होना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती रहने के बावजूद मरीज को उपचारीय लाभ नहीं मिल रहा होता है।सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। इस दिशा में व्यवस्थागत मुद्दों पर जोर दिया गया है, जिसमें नर्स व मरीज के अनुपात, विशेषज्ञ पर्यवेक्षण, मानक बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कराना एक सराहनीय पहल कही जाएगी। निश्चित रूप से भारत जैसे देश में जहां स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में भारी असमानता है, ये न्यूनतम मानदंड अधिक न्यायसंगत देखभाल के लिए आधार बन सकते हैं। सही मायनों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने और समयबद्ध कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। साथ ही निर्देश नीति के क्रियान्वयन हेतु तत्परता दिखानी चाहिए। लेकिन विगत के अनुभव बताते हैं कि एक अच्छे इरादे वाली कार्ययोजना तब अपने लक्ष्य पाने में विफल हो जाती हैं जब उसका क्रियान्वयन आधे-अधूरे ढंग से किया जाता रहा है। साथ ही दक्षता के अलावा, मानवीय पहलू को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। गहन चिकित्सा कक्ष में लंबे समय तक भर्ती रहना मरीजों और उनके परिवारों के लिए बेहद कष्टदायक होता है। स्थिर मरीजों को कम स्तर पर देखभाल की जरूरत वाले वार्डों में स्थानांतरित किए जाने से न केवल अनावश्यक चिकित्सा खर्च बचता है। बल्कि यह मानवीय दृष्टिकोण का भी परिचायक है। निश्चित रूप से आईसीयू के लिए एकसमान मानदंड लागू करने का प्रयास भारत की स्वास्थ्य प्रणाली में पारदर्शिता लाने और तर्कसंगत निर्णय लेने को बढ़ावा देने वाला साबित हो सकता है।

परिस्थितियों के अनुकूल ढलने से सफलता

क्षमा शर्मा

ऑर्टोवर्ट व्यक्ति न तो पूरी तरह से बहिर्मुखी होता है और न ही पूरी तरह अंतर्मुखी, अपितु उसके अंदर दोनों के गुणों का समावेश होता है। इन गुणों का प्रयोग वह परिस्थितियों और वातावरण के अनुरूप करता है और बड़ी से बड़ी परेशानी और समस्या का हल निकाल लेता है।हम सभी अंतर्मुखी और बहिर्मुखी शब्दों से अच्छी तरह परिचित हैं। ये शब्द बोलते ही हमारे परिचित चेहरे 'अंतर्मुखी' या 'बहिर्मुखी सांचे' में फिट हो जाते हैं। इन दोनों शब्दों के अलावा एक और शब्द है 'ऑर्टोवर्ट'। यह एक ऐसा शब्द है जो अंतर्मुखी और बहिर्मुखी दोनों के बीच संतुलन स्थापित करता है अथवा सेतु का निर्माण करता है। किसी भी चीज की अधिकता अथवा न्यूनता दोनों ही दिक्कत उत्पन्न करती है। जहां संतुलन उत्पन्न हो जाता है, वहां सब सही हो जाता है।ऑर्टोवर्ट को और अधिक सरल तरीके से समझते हैं। इसका सरल अर्थ हुआ–वह व्यक्ति जो अपनी ऊर्जा और व्यवहार को परिस्थितियों के अनुरूप या दूसरों को देखते हुए कुशलता से ढाल लेता है। ऑर्टोवर्ट व्यक्ति न तो पूरी तरह से बहिर्मुखी होता है और न ही पूरी तरह अंतर्मुखी, अपितु उसके अंदर दोनों के गुणों का समावेश होता है। इन गुणों का प्रयोग वह परिस्थितियों और वातावरण के अनुरूप करता है और बड़ी से बड़ी परेशानी और समस्या का हल निकाल लेता है। ऑर्टोवर्ट व्यक्ति के अंदर अनुकूलन क्षमता कूट-कूट कर भरी होती है। जो व्यक्ति अनुकूलन क्षमता के गुणों से भरा होता है, वह कठिन और विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखता है। ऐसे में कई बार अनहोनी और दुर्घटनाएं हो जाती हैं। वहीं 'ऑर्टोवर्ट' व्यक्ति कुशलता से बड़ी दुर्घटनाओं को होने से रोक लेते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन 'ऑर्टोवर्ट' थे। वे स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप बहुत ही सहजता और सरलता से ढाल लेते थे। उन दिनों अमेरिका में गृहयुद्ध छिड़ने के कारण हर ओर तनाव का माहौल बना हुआ था। राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की रातों की नींद उड़ी हुई थी। एक दिन इलिनॉय से उनका कोई पुराना साथी व्हाइट हाउस पहुंचा। उसने द्वार रक्षक से राष्ट्रपति से मिलने की इच्छा प्रकट की। द्वार रक्षक बोला, 'यह समय उनसे मिलने का नहीं है। वे अभी कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में हैं और देश के बारे में गंभीर चर्चा चल रही है।' यह सुनकर वह व्यक्ति बोला, 'तुम बस एब को इतना बता दो कि ओरलैंडो केलॉग आया है और उन्हें 'हकलाते इंसाफ' वाला किस्सा सुनाना चाहता है, वे मुझे तुरंत बुला लेंगे।' अब्राहम लिंकन को उनके करीब से जानने वाले 'एब' कहकर पुकारा करते थे।

द्वार रक्षक के बार-बार मना करने पर भी जब आंगतुक नहीं माना तो द्वार रक्षक ने यह संदेश लिंकन तक पहुंचा दिया। संदेश सुनते ही लिंकन ने उसे तुरंत अंदर लाने का आदेश दिया। इसके बाद उन्होंने सबके समक्ष उससे गर्मजोशी से हाथ मिलाया। फिर वे अपनी कैबिनेट की ओर मुखातिब होकर बोले, ''सज्जनों, ये मेरे बहुत ही आत्मीय और पुराने मित्र ओरलैंडो केलॉग हैं। ये हमें 'हकलाते इंसाफ' का किस्सा सुनाना चाहते हैं। वह बहुत दिलचस्प किस्सा है। मेरे विचार में इन गंभीर पलों में हमें वह किस्सा सुनना चाहिए। इसलिए फिलहाल सब काम रोक कर वह किस्सा सुनते हैं।'' इसके बाद ओरलैंडो केलॉग वह किस्सा सुनाते रहे और अब्राहम लिंकन ठहाके पर ठहाके लगाते रहे, जबकि कैबिनेट के अन्य राजनीतिज्ञ और राष्ट्रीय समस्याएं प्रतीक्षा करती रहीं। उस समय सबको यही लग रहा था कि ऐसे अकुशल, अनगढ़ व्यक्ति के हाथों में देश का भविष्य है लेकिन वे लोग यह नहीं जानते थे कि अब्राहम लिंकन का यही अलहदा अंदाज समस्याओं और चुनौतियों से निपटने का कुशल हथियार था और वाकई उनके 'ऑर्टोवर्ट' व्यक्तित्व ने ही उन्हें इतिहास पुरुष के रूप में स्थापित कर दिया।प्रत्येक व्यक्ति अपने अंदर 'ऑर्टोवर्ट' गुणों का विकास कर सकता है। उसके लिए अपने अंदर प्रतिदिन निम्नलिखित बातों का विकास करना है–

चयनित मौन = हर वक्त अपनी राय रखना जरूरी नहीं है। कई बार मौन रहकर गहराई से बात को समझने का प्रयास करना चाहिए। गहराई व्यक्ति के कार्य को स्पष्टता और सुदृढ़ स्वर प्रदान करती है।ऊर्जा की वृद्धि = सुबह योग, व्यायाम, अध्यात्म और श्वासों के द्वारा अपनी ऊर्जा को बढ़ाएं। जब आप नियमित अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगाते हैं तो धीरे-धीरे दूसरों की ऊर्जा को पहचानकर उसके अनुरूप प्रतिक्रिया देने की शक्ति विकसित होती जाती है।

आत्मीयता का विकास = जब एक व्यक्ति दिखावे के बजाय किसी के साथ आत्मीयता स्थापित करता है, तो मन के आंतरिक बिंदु व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारते हैं। उसके सामने से धुंधली चीजें हट जाती हैं। सच्ची आत्मीयता परिस्थितियों के अनुरूप सहज दृष्टिकोण विकसित करने में मुख्य भूमिका निभाती है।

लचीलापन = जड़ता व्यक्ति को झुकने से रोकती है, जबकि लचीलेपन का गुण व्यक्ति के अंदर हर स्थिति को सहजता से सुलझाने का प्रयास करता है।

वर्तमान समय में व्यक्तियों को 'ऑर्टोवर्ट' होना चाहिए क्योंकि ये हर तरह के प्रबंधन को मजबूत करता है। 'ऑर्टोवर्ट' व्यक्ति जीवन के सबसे बुरे पड़ाव को भी आराम से पार कर लेता है क्योंकि उसके अंदर स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप मोड़ने की कला आ जाती है।

रटी रटाई बातें लोग एग्रेशन में सुनकर तालियां पीटेंगे

व्यंग्य -सावधान ! हम सब इस्तेमाल हो रहे..!

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

देखिए हम आप बाकि सब इस घटिया राजनीति का शिकार हो रहे। हमारी भावनाओं के साथ खेला जा रहा, मुझे पता है कि जिनकी आस्था जिस पार्टी से है वह उस दल के हित के लिए अपने पड़ोस से भी भिड़ने के लिए तैयार है। अभी सारे हिन्दुत्ववादी सनातनी शेर एक मृतक मनीष सिंह घमंहापुर के समर्थन में जी जान से लगे पडे हैं। खासकर भाजपा और क्षत्रिय लोग लेकिन उनको यह नहीं पता कि उसने इस बार मोदी का बनारस दौरा भाषण बहुत सोच समझकर लिखा था। काफी कोशिशों बाद इसबार उसमें जानबूझकर डेरोगेटरी की वर्ड यूज किये, गोवा को चुना, परशुराम जी के अलावा सब पर बात की ताकि बडा बखेडा हो। सच वो होता है जो सामने वाले को सोचने पर मजबूर करे। लेकिन इस मामले में सच को इस तरह बोला गया कि वो सच से ज्यादा सामने वाले को अपमान लगने लगे।

केस हो जाए तो सब एकतरफा सरकार विरोधी माहोल का फायदा उठाकर उसका साथ दें। लोगों को लगे कि सनातन की बात करने वाले के ऊपर अत्याचार हो रहा है और जिनको सच पता भी हो उनको भी गलत होने का आभास लग जाए। वो अन्यों के दबाव में सपोर्ट करें। पहले भाजपा महिला नेत्री नें जिलाध्यक्ष जो कुशवाहा समाज से थे, पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया पर जैसे ही मामले नें तूल पकड़ा लोगो की जनभावना जुड़ी, लॉबी बनी वैसे ही भाजपा नेत्री नें पलटी मार ली और कहा कि गुस्से में आरोप लगा दिया। यही क़ाम हरदोई न्यू सनबीम प्रकरण में भी हुआ। पीड़ित वर्मा जाति से और आरोपी मिश्रा तो पहले खूब हंगामा हुआ बाद में पूरी लॉबी पलटी मार गई।

धर्म और जाति हेतु जिनका 001त्न भी योगदान नहीं वो भी ज्ञान देने आएंगे सोशल मिडिया पर, लेकिन दो चार साल बाद तुम याद करोगे कि किसी ने सच बोलने की हिम्मत की थी। लंबे समय तक सम्पर्क में रहा है इसलिए सब जानता हूँ, मुझसे ज्यादा तुम नहीं जानते उसे, इसलिए सोचा वक्त रहते बता दूं। मेरे विरोधी हो तो भी पूरा पढ लेना क्योंकि उसी का बताया हुआ प्लान बताऊंगा। धर्म और जाति एक मस्त धंधा है और उसके बारे में बंदा सब जानता है। उसे पता है कि हिन्दुओं में रहकर ध्रुव राठी कैसे बनना है। वह किसी भी कार्यक्रम में जाने से पहले एक लंबी डिमांड रखता है। 51000 फीस, तीन आवाजाही फस्ट क्लास हवाई टिकिट, गाडियों का काफिला, बेस्ट होटल रूम्स, बाउंसर्स और मंच पर स्पेशल ट्रीटमेंट।

ऐसे होती है सनातन रक्षा की शुरुआत। आपके एक अन्य सनातनी शेर के ऊपर शिरडी साईं धाम से एक नोटिस जारी होता कि आपने साईं पर कुछ आपत्तिजनक बोला है, वीडियो हटा लो वरना केस कर देंगे। शेर ने माफी मांगी, वीडियो डिलीट किया और आजतक कुछ नहीं बोला। बदले में पैसे आपसे लिये। इसके बाद अजमेर दरगाह। मामले में भी केस दर्ज हुआ। माफी? मांगी गयी वीडियो हटाई गयी और शर्त के अनुसार दोबारा उस विषय पर नहीं बोला गया।

इस बार विवाद के लिए चुना गया गोवा को। ऐसा नहीं कि गोवा में जाकर जेवियर पर पहले कोई ना बोला हो, बहुत लोग बोले हैं। लेकिन इस बार खास माहौल सेट किये गये। जानबूझकर यह पक्का करने के बाद बोला गया कि स्टेज पर जिम्मेदार लोग आ चुके हैं। एक कार्यक्रम परशुराम जी पर था, लेकिन उन पर अपशब्द बोला गया पर कार्यवाही नही हुई। जो बोला गया वो बोला गया वहाँ बैठे लोग भडक उठें तो कहा गया यहाँ सब जायज है। मुझे पता है कि कुछ लोग जिनको संगठन या मंच की मर्यादा नहीं पता वो अम्बेडकर के मंच पर चढ़कर कहेंगे कि आतंकी को आतंकी कहने में क्या गलत बोला ? लेकिन पहला सवाल ये है कि मंच किसका था ? उपलक्ष्य क्या था ? विषय क्या था ? मंच की गरिमा क्या थी ? रसोई में नहाया नहीं जाता और कमोड पे बैठके खाया नहीं जाता। मंच पर बुद्ध या सनातन का ज्ञान देने को बुलाया था किसी का मंच बर्बाद करने नहीं।

हवन में वेद मन्त्र बोले जाते हैं आयत नहीं। जो सनातन के प्रवक्ता हिंदूत्व को सपोर्ट कर रहे हैं वो खुद सोच समझकर बोलते होंगे। अब ऐसे में सबसे पहला खतरा उस संस्था पर है जिसने इनवाइट किया अराजकता। लेकिन अब इन सब मामले में होगा क्या ? लोग इसी में नया आनंद खोजेंगे। कोई नयी रिसर्च नहीं, बस वही रटी रटाई बातें लोग एग्रेशन में सुनकर तालियां पीटेंगे। लोगों को लगेगा इसी से हमारा धर्म बचेगा। गौतम के लिए फंडरेज़ होगा, उसकी फीस और सुविधाएँ दोगुनी हो जाएगी। दबाव में आकर सरकार उसे सुरक्षा देगी और ये होकर रहेगा। इस झांसे में नहीं आईए। हमारे बडे बडे सनातन रक्षक वकील, समाज सेवी, वक्ता भाई बहन सब इस्तेमाल हो रहे। और वो भीड जिसको एक आयातित वक्ता चाहिए होता है वह हम जैसे लेखक है।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

आध्यात्मिक संस्था के नेतृत्व में सौ फीसदी महिला आरक्षण

पिछले दिनों महिला आरक्षण के मुद्दे पर पूरा देश उद्वेलित था। आधी दुनिया की राजनीतिक नेतृत्व में भागीदारी बढ़ाने को संसद का विशेष सत्र महिला आरक्षण और उससे जुड़े विधेयक पारित करने के लिए बुलाया गया। राजनीतिक गणित के चलते ये सिरे न चढ़ सका। लेकिन देश में एक क्षेत्र ऐसा भी है जहां दस लाख से अधिक सदस्यों वाली एक आध्यात्मिक संस्था के नेतृत्व में सौ फीसदी महिला आरक्षण है। पिछली सदी से महिलाएं ही वरीयता क्रम में इसकी बागडोर संभालती हैं , भारत समेत 140 देशों तथा संयुक्त राष्ट्र से जुड़े सेवा प्रकल्पों का कुशलतापूर्वक नेतृत्व करती हैं। इस संस्था की स्थापना, सेवा के बीस विंगों के जरिये नशा मुक्ति, सेहत रक्षा तथा मेडिटेशन खेती जैसे अभियानों को लेकर ब्रह्माकुमारी माउंट आबू में मीडिया विंग के राष्ट्रीय संयोजक ब्रह्माकुमार डॉ. शांतनु भाई से अरुण नैथानी की विस्तृत बातचीत के अंशों पर आधारित लेख।

विश्व के 140 देशों में साढ़े चार हजार से अधिक ?शाखाओं द्वारा संचालित प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय एक अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक, शैक्षणिक व सामाजिक संस्था है। जिसका मुख्यालय, राजस्थान के अरावली पर्वत श्रृंखला में माउंट आबू में स्थित है। वैसे तो इस संस्था में महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों की बराबर की भागीदारी होती है लेकिन संस्था मातृकेंद्रित रही है। बहनें आगे रहती हैं और भाई सहयोग करते हैं। संस्था में करीब दस लाख से अधिक रेगुलर सदस्य हैं। यह दुनिया की पहली आध्यात्मिक संस्था है, जो सिर्फ महिलाओं के द्वारा संचालित है। जबकि एक पुरुष द्वारा संस्था का संस्थापन हुआ था। स्थापना के महज एक साल बाद संस्था की बागडोर महिलाओं के हाथ में सौंप दी गई। शायद ऐसी दूसरी मिसाल इतिहास में दूसरी नजर नहीं आती।आजकल प्रजापति ब्रह्माकुमारी संस्था का नेतृत्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मोहिनी दीदी कर रही हैं। जो पहले अमेरिका और कैरिबियन कंट्री की हेड थी। चयन की प्रक्रिया को सेंट्रल कमेटी गति देती है। संस्था में चुनाव नहीं होता है। इसका निर्धारण वरीयता क्रम में होता है। दादी रत्नमोहिनी के अवसान के बाद मोहिनी दीदी सीनियर थी। जयंती दीदी एडिशनल चीफ एडमिस्ट्रेटर हैं। कुछ भाई सेक्रेटरी की पोस्ट पर चुने जाते हैं लेकिन मुख्य भूमिका में नहीं रहते। सेक्रेटरी जनरल ब्रजमोहन के अवसान के बाद करुणा भाई सीनियर थे। मीडिया हेड भी हैं।संस्थापक का मानना था कि नारी सशक्तीकरण से ही समाज सशक्त होगा। वे खुद को गुरु नहीं मानते थे। संस्था में ना ही कोई गुरु है न ही गुरुगद्दी है। परतंत्र भारत में बीसवीं सदी के चौथे दशक तक महिलाओं को पर्याप्त अधिकार नहीं दिए गए थे। समाज में उनकी स्थिति तब दारुण बनी रही थी। जीवन व्यवहार में उन्हें दोयम दर्जे के नागरिक के रूप में देखा जाता रहा। समाज में पुरुषों का वर्चस्व था। बाहरी जीवन में महिलाओं की सक्रियता महज प्रतीकात्मक थी। वे चूल्हे-चौके तक सीमित थीं। पढ़ाई-लिखाई न के बराबर ही थी। बहुत कम महिलाएं ही पढ़कर-लिखकर सार्वजनिक जीवन में आगे जा पाती थीं। लेकिन उनके प्रयासों से आज ये दुनिया की सबसे बड़ी आध्यात्मिक संस्था, जो सिर्फ महिलाओं द्वारा संचालित है। बाबा का मानना था कि मातृशक्ति को आगे बढ़ाएंगे तो इस बदलाव से ही समाज सशक्त होगा।

दरअसल, संस्था की शुरुआत ओम मंडली के रूप में हुई। पहले घर पर ही सत्संग आदि चलता था। कालांतर परमात्मा का ज्ञान हुआ। वे साधकों को मनुष्य जन्म और 84 योनियों की कहानी बताते। पुनर्जन्म की कहानी बताते। इस मंडली में बच्चे भी थे। उनके लिये हॉस्टल वाले स्कूल बनाये। जहां सामान्य पढ़ाई के साथ नैतिक शिक्षा भी जाती। यानी लौकिक-अलौकिक पढ़ाई। वर्ष 1947 के भारत विभाजन के संत्रास के उपरांत बाबा 1950 में भारत आए।तब दीदी मनमोहिनी को कहा गया कि देखो भारत में कौन सी तपस्थली व धर्मस्थली सेवा-साधना स्थल के रूप में उपयुक्त है। माउंट आबू के लिये विशेष रूप से कहा गया। यह जगह सेहत के अनुकूल भी थी। क्लाइमेट भी सूट करता था।

अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग के सदस्य की अध्यक्षता में जनसुनवाई, अधिकारियों को सख्त निर्देश

उर्सला अस्पताल व शहर की सड़कों का निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग, उत्तर प्रदेश के सदस्य रमेश चन्द्र कुण्डे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुसूचित जाति एवं जनजाति से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आमजन की शिकायतों को सुनकर उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

सदस्य ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि पात्र लाभार्थियों को शासन की योजनाओं का लाभ हर हाल में उपलब्ध कराया जाए तथा किसी प्रकार की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार से संबंधित मामलों में त्वरित, निष्पक्ष एवं संवेदनशील कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

साथ ही, विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।बैठक में अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक) महेश प्रसाद, डीसीपी सेंट्रल अतुल, एसीपी कोतवाली आशुतोष कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरी दत्त नेमी, जिला समाज कल्याण अधिकारी बीरपाल, पीआरओ सुधीर चौधरी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक के उपरांत सदस्य रमेश चन्द्र कुण्डे ने जिला चिकित्सालय (पुरुष) उर्सला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक उपस्थित रहे। सदस्य ने अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई, दवा वितरण व्यवस्था एवं अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि मरीजों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखी जाए। आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही, अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार हेतु आवश्यक कदम तत्काल उठाने को कहा गया।इसके पश्चात सदस्य ने घंटाघर से डिप्टी पड़ाव तक सड़क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड, लोक निर्माण विभाग अनूप मिश्रा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप गड्ढा मुक्त अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक कार्यवाही समय से पूर्ण की जाए, ताकि आमजन को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सके।

ओवरलोड वाहनों पर की गयी बड़ी कार्रवाई, वसूला गया 9.49 लाख जुर्माना, 9 वाहन किए गए सीज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनपद में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत बिल्हौर क्षेत्र में सख्त कार्रवाई की गई। बिल्हौर-ककवन रोड तथा अरौल-मकनपुर मार्ग पर संयुक्त टीम ने सघन चेकिंग अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन कर रहे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान कुल 9 ओवरलोड वाहनों को सीज किया गया,

जबकि 9 लाख 49 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।यह कार्रवाई उपजिलाधिकारी बिल्हौर मनीष कुमार के नेतृत्व में परिवहन विभाग, पुलिस, खनन विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

टीम ने मार्गों पर बैरियर लगाकर वाहनों की जांच की और ओवरलोडिंग पाए जाने पर मौके पर ही कार्रवाई की गई। कई वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक खनन सामग्री लदी मिली, जिस पर संबंधित प्रावधानों के तहत चालान और सीज की कार्रवाई की गई।प्रवर्तन अभियान के दौरान अधिकारियों ने वाहन चालकों और संचालकों को ओवरलोडिंग के दुष्परिणामों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि ओवरलोडिंग से सड़कें क्षतिग्रस्त होती हैं

और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है, इसलिए नियमों का पालन आवश्यक है।उपजिलाधिकारी बिल्हौर मनीष कुमार ने कहा कि जनपद में ओवरलोडिंग के खिलाफ अभियान निरंतर जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि संयुक्त टीम द्वारा इस तरह की कार्रवाई आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगी, जिससे यातायात व्यवस्था सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनी रहे।

डीएम के औचक निरीक्षण में ड्रग वेयरहाउस में कोल्ड चेन स्टोरेज मिला बंद,सीएमओ से मांगा स्पष्टीकरण

» दो कार्मिक मिले अनुपस्थित एक दिन का वेतन काटने का दिया निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सुरार स्थित जनपदीय ड्रग वेयरहाउस के औचक निरीक्षण में कोल्ड चेन स्टोरेज क्रियाशील नहीं मिलने पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कड़ी नाराजगी जताई। यह वेयरहाउस उर्सला और हैलेट अस्पताल सहित जनपद के सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को दवाओं की आपूर्ति करता है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से स्पष्टीकरण तलब करने और व्यवस्था तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने दवाओं के स्टॉक का भंडारण भी देखा तथा आवश्यक अभिलेखों की जांच की। उन्होंने भंडारण व्यवस्था को मानकों के अनुरूप बनाए रखने और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाईज कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक डॉ उज्ज्वल कुमार(आईएएस) से दूरभाष पर वार्ता कर उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया और आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुरोध किया।

वेयरहाउस में तैनात फार्मासिस्ट आशुतोष यादव ने बताया कि यहां 371 प्रकार की दवाएं उपलब्ध हैं, जिन्हें मांग के अनुसार जनपद के स्वास्थ्य केंद्रों को भेजा जाता है।निरीक्षण के दौरान दो कार्मिक आलोक कुमार और सरोजनी देवी अनुपस्थित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने दोनों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश देते हुए स्पष्टीकरण प्राप्त करने को कहा। साथ ही स्पष्ट किया कि दवा भंडारण और आपूर्ति से जुड़ी किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी व्यवस्थाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए।

एडीजी आलोक सिंह बने डीजी, कानपुर जिलाधिकारी ने दी बधाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर जोन के एडीजी आलोक सिंह के डीजी पद पर पदोन्नत होने पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर बधाई दी।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह पदोन्नति उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता का परिणाम है तथा नई जिम्मेदारी में वे अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करेंगे। उन्होंने उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर न्यायिक अधिकारी व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलर्ट मोड पर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनपद में आगामी 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिला जज सुभाष सिंह व नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत रश्मि सिंह ने की।

बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार शुक्ला एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अभिनव तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अध्यक्षता करते हुए नोडल अधिकारी / अपर जिला जज रश्मि सिंह ने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को त्वरित एवं सुलभ न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए लंबित मामलों की सूची तैयार करें तथा पक्षकारों को समय से सूचना उपलब्ध कराएं।बैठक में सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने स्तर पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उन्हें लोक अदालत में निस्तारण हेतु चिन्हित करें। साथ ही, राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व एवं लाभों के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने को भी कहा गया।

इस अवसर पर समस्त सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस विभाग के नोडल अधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित न्यायिक अधिकारी आनंदेश सिंह व अमित सिंह द्वारा भी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाए जाने हेतु अपने सुझाव दिए गए।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अभिनव तिवारी ने बैठक में उपस्थित अभियोजन कार्यालय के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कोरोना काल के समय के ऐसे मामले जिन्हें शासन द्वारा विड्रॉ कर लिया गया है उन वादों को चिन्हित कर उनका निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में उपस्थित बिजली विभाग के अधिकारियों को कैसको से संबंधित शमनीय वादों को अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए।सचिव अभिनव तिवारी द्वारा जनपदवासियों से यह भी अपील की गई है कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपने वादों का आपसी सहमति से निस्तारण कराएं और इस अवसर का लाभ उठाएं।

आक्रोशित कांग्रेसियों ने कमिश्नर को दिया शिकायत पत्र, कमिश्नर ने एफआईआर के आदेश दिए

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर महानगर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने कानपुर में लगातार भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के पुतले जलाए जाने और पुलिस द्वारा भाजपा नेताओं को संरक्षण देते हुए मुकदमा न लिखने के विरोध में कानपुर पुलिस कमिश्नर को शिकायत पत्र सौंपा और पिछले दिनों राहुल गांधी के सभी पुतला जलाने के प्रदर्शन पर मुकदमा लिखने या कांग्रेस को भी मोदी योगी के पुतला दहन की अनुमति देने की मांग की जिस पर पुलिस कमिश्नर ने राहुल गांधी का पुतला जलाने वालों पर तत्काल स्वद्धक्र का आदेश दिया।

पवन गुप्ता द्वारा दिए गए शिकायत पत्र में कहा गया कि वर्तमान में कानपुर नगर में राहुल गांधी जी के पुतले लगातार भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा फूंके जा रहे हैं, किंतु इस पर कानपुर पुलिस द्वारा कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की जा रही है। उल्टा कानपुर पुलिस के संरक्षण में ये आपत्तिजनक कृत्य लगातार हो रहे हैं।जबकि महिला आरक्षण को पहले ही कांग्रेस 2023 में पारित करवाकर भाजपा से महिला आरक्षण तत्काल आज से ही लागू करने की मांग कर रही है।

वहीं दूसरी ओर, यदि कांग्रेस कार्यकर्ता नरेंद्र मोदी जी या योगी आदित्यनाथ जी का पुतला फूंकते हैं, तो तत्काल मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्यवाही की जाती है। यह दोहरा मापदंड लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है और निष्पक्ष पुलिस व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाता है।जब की भाजपा वाले मांग की गई कि पुलिस कमिश्नर यह सुनिश्चित करें कि ऐसे कामों को पुलिस संरक्षण देना बंद करे और ऐसा पक्षपात कर लोकतंत्र का अपमान करना भी बंद करे।इस प्रकार के पक्षपातपूर्ण व्यवहार को तत्काल बंद किया जाए तथा कानून का समान रूप से पालन सुनिश्चित किया जाए। या तो सभी के विरुद्ध समान रूप से मुकदमा दर्ज हो अथवा किसी के विरुद्ध भी ऐसी कार्यवाही न की जाए। अन्यथा कांग्रेस पार्टी भी अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के तहत पुतला दहन करने को बाध्य होगी।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर केस्को निदेशक कानपुर नगर को सौंपा गया ज्ञापन

कानपुर। स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बिजली के बिलों में अनाप शनाप बढ़ोतरी के संबंध में अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति द्वारा केस्को निदेशक कानपुर नगर को ज्ञापन सौंपा गया।ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि हम स्मार्ट मीटर लगाने के बाद बिजली उपभोक्ताओं द्वारा सामना कर रहे संकट को आपके समक्ष रखना चाहते हैं । प्राइवेट कंपनियों ने उपभोक्ता की मर्जी के बगैर डरा धमकाकर उनके घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जो कि गैर कानूनी है। नियामक आयोग ने भी इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं । स्मार्ट मीटर लगाने के बाद अचानक उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। उपभोक्ताओं के घरों की बिजली की खपत अचानक कैसे बढ़ गई जबकि घरों में बिजली से चलने वाले उपकरणों में बढ़ोतरी नहीं हुई ।इसका विशेषकर ग़रीब महिलाओं पर बहुत बुरा असर पड़ा है । मंहगाई की मार ने खाने पीने की चीजों से लेकर शिक्षा को भी बहुत मंहगा किया है और इस स्थिति में बिजली के बढ़े हुए बिल और न जमा कर पाने की स्थिति में बिजली का कटना बेहद आपत्तिजनक है। अभी हाल में जनता के आक्रोश को देखते हुए आपने बिजली काटने के संबंध में कुछ निर्धारित अवधि तय की है और अस्थाई रूप से स्मार्ट मीटर लगाने पर भी फिलहाल रोक लगा दी है किन्तु जिनके यहां स्मार्ट मीटर लग गये हैं और जो उपभोक्ता ज्यादा बिल दे चुके हैं , उनके लिए आपने कोई राहत नहीं दी है । बिजली एक सामाजिक ज़रूरतहै मुनाफा कमाना एक जनविरोधी कदम है, जिसका हम सख़्त विरोध करते हैं ।कहा हमारी मांग है कि जिन उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लग चुके हैं , उन्हें तत्काल हटाया जाये और उनके स्थान पर इलैक्ट्रिकल मीटर लगाये जायें। बढ़े हुए बिलों की भुगतान राशि को ब्याज सहित वापस किया जाये। योगी सरकार को हम उसका वायदा याद दिलाते हुए कहना चाहते हैं कि घरेलू उपयोग की 300 यूनिट बिजली मुफ्त करें।

आठ छात्रो का 5.50 लाख के पैकेज पर चयन, विश्वविद्यालय बम्पर प्लेसमेन्ट की तरफ अग्रसर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सेवायोजन के निदेशक डा0 विजय कुमार यादव द्वारा अवगत कराया कि विश्वविद्यालय के छात्रों का कैम्पस प्लेसमेन्ट लेने हेतु मधुसूदन डेयरी प्राइवेट लि. के सचिन तोमर ने एम0बी0ए0 एग्री बिजनेस के प्रतिभागित लगभग 40 छात्रो की ऑनलाइन लिखित परीक्षा ली गयी उसके पश्चात ग्रुप डिस्कसन करने के उपरान्त कम्पनी के हेडक्वाटर में पर्सनल इन्टरव्यू लिया गया। साक्षात्कार प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरान्त 08 छात्रों जिसमें मिस्टर आनन्द कुमार मौर्य, हेमंत तिवारी, गौरव सिह, पुष्करण चंदेल, अनुभव सिंह, वैभव शाक्य, अंकित चौधरी और अनिल कुमार यादव का चयन किया गया है।

बताया गया कम्पनी द्वारा सभी चयनित अभ्यर्थियों को रू0 5.50 लाख के पैकेज के साथ ही अन्य सुविधाओं पदान की जायेगी। मधुसूदन एक अभरती हुई एग्री-बिजनेस कंपनी है जो कृषि उत्पाद, प्रोसेसिंग और सप्लाई चेन मैनेजमेन्ट में सक्रिय भूमिका निभा रही है। सेवायोजन के निदेशक डा0 विजय कुमार यादव द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि सिंजेंटा ग्रुप कम्पनी के द्वारा स्नातक, परास्नातक एवं एम0बी0ए0 के 50 छात्र-छात्राओं का ग्रुप डिस्कसन किया गया। इसके बाद पर्सनल इन्टरव्य के द्वारा 10 छात्र/छात्राओं को शार्टलिस्ट किया गया। इन सभी शार्टलिस्टेड छात्रों का एक बार हेड आर द्वारा ऑनलाइन पर्सनल इन्टरव्यू लिया जायेगा। जिसमें चयनित छात्रों को 5.00-6.00 लाख का पैकेज दिया जायेगा।इस कड़ी में सहज मिल्क प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का एम0बी0ए0 के छात्रों का एरिया सेल्स मैनेजन के पर हेतु साक्षात्कार होना सुनिश्चित हुआ है। देश की विख्यात अन्य कम्पनियों से कैम्पस ड्राइव तिथियो के निर्धारण हेतु कम्पनी के प्रतिनिधियों से वार्ता चल रही है।विश्वविद्यालय के कुलपति डा0 संजीव गुप्ता ने इस प्रतिष्ठित कम्पनी में चयनित हुये छात्रो पर अपनी प्रसन्नता एवं उनके उज्वल भविष्य की कामना व्यक्त की है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया को सफल बनाने में श्री मुलायम सिंह, श्रीमती सरिता पाण्डेय का भी विशेष सहयोग सराहनीय रहा।

अब एक ही दवा से डायबिटीज और मोटापे का होगा इलाज

कानपुर मेडिकल कॉलेज को शोध में मिली बड़ी सफलता

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में डायबिटीज और मोटापे के मरीजों पर 'सेमाग्लूटाइड' दवा का सफल परीक्षण किया गया है. इस दवा से मरीजों का वजन 15 से 20त्न तक कम हुआ और ब्लड शुगर लेवल में भी सुधार देखने को मिला. विशेषज्ञ इसे हेल्थ इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव मान रहे हैं।

दरअसल, कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज ने एक ऐसी दवा का सफल परीक्षण किया है, जो न केवल शुगर लेवल को नियंत्रित करती है बल्कि बढ़ते वजन को भी तेजी से घटाने में सक्षम है। इस दवा का नाम 'सेमाग्लूटाइड' है और इसे लेकर देश भर में कुल 17 सेंटर बनाए गए थे, जिनमें कानपुर का नाम भी प्रमुखता से शामिल था। यहाँ किए गए शोध के परिणाम इतने सकारात्मक रहे हैं कि विशेषज्ञ इसे चिकित्सा जगत में एक बड़ी क्रांति मान रहे हैं।

कानपुर मेडिकल कॉलेज में करीब 313 मरीजों पर इस दवा का ट्रायल किया गया था, जिसमें बेहद पॉजिटिव डेटा सामने आया है। रिसर्च के दौरान देखा गया कि जिन मरीजों को यह दवा दी गई, उनके वजन में 15 से 20 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई. वजन घटाने के साथ-साथ इन मरीजों के ब्लड शुगर लेवल में भी अभूतपूर्व सुधार देखने को मिला। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि इस दवा के इस्तेमाल के बाद मरीजों की अन्य दवाइयों और रोजाना लगने वाले इंसुलिन पर निर्भरता काफी कम हो गई है। यह उन लोगों के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है जो सालों से सुई चुभने वाले दर्द और दवाइयों के भारी बोझ को सह रहे थे।

भड़काने के आरोप में रामा विश्वविद्यालय के दो पूर्व छात्रों पर एफआईआर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । बिठूर स्थित रामा विश्वविद्यालय परिसर में घुसकर छात्रों को भड़काने और शैक्षणिक माहौल बिगाड़ने के आरोप में दो पूर्व छात्रों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव की तहरीर पर पुलिस ने कार्रवाई की। रामा विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रभात रंजन ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि एक मई को कुछ अराजकतत्व विश्वविद्यालय परिसर में जबरन प्रवेश कर आए। छात्रों को उकसाने का प्रयास किया। छात्रों को भड़काकर संस्थान का माहौल खराब करने की कोशिश की। मामले में मकड़ीखेड़ा निवासी अभिजीत राय और श्यामनगर निवासी अनस साहू को नामजद किया गया। दोनों खुद को विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र बताते हैं।आरोप है कि वह दोनों छात्रों को गुमराह कर अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे थे। तहरीर में बताया कि आरोपी अन्य संस्थानों में इसी तरह की गतिविधियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि विश्वविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण सुरक्षित रह सके। इस संबंध में बिठूर इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने बताया कि अभिजीत राय और अनस साहू पर जानबूझकर भड़काने, आपराधिक अतिचार करने की धारा में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

गुमशुदा युवक की हत्या कर शव गंगा में फेंकने वाले तीन बदमाश किये गए गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना चकेरी की पुलिस ने गुमशुदा युवक की हत्या कर शव को गंगा नदी में फेंकने की सनसनीखेज वारदात का सफल अनावरण करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने सरकारी नौकरी करने वाले युवक के बैंक खाते में लाखों रुपये होने की सूचना पर उसकी हत्या कर दी और लूट की वारदात को अंजाम दिया।

17 अप्रैल 2026 को थाना चकेरी में विष्णुचंद्र त्रिवेदी ने अपने पुत्र अंकित त्रिवेदी (आयु 37 वर्ष) की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। अंकित त्रिवेदी बाराबंकी के सिधौर ब्लाक में प्राथमिक चिकित्सालय में वार्ड ब्वाय के पद पर कार्यरत थे। 16 अप्रैल 2026 को शाम करीब 6:20 बजे एक फोन आने के बाद वह अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से मलवा (फतेहपुर) जाने की बात कहकर घर से निकले थे, जिसके बाद से वह लापता थे। जांच के दौरान उनकी कार जनपद फतेहपुर के थाना हथगाँव क्षेत्र के ग्राम पट्टीशाह के पास लावारिस हालत में मिली थी।

सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने इस हत्याकांड का पर्दाफाश किया। पुलिस की पूछताछ के अनुसार, मृतक के साथी सत्यम मिश्रा ने उसके पास लाखों रुपये होने की जानकारी रेहान, शादाब और अल्तमस को दी। योजना के तहत अंकित त्रिवेदी को शादी में कार बुकिंग का झांसा देकर रामादेवी चौराहे के पास बुलाया गया। वहां से रेहान, शादाब और अल्तमस उनके साथ कार में बैठ गए, जबकि सत्यम पीछे-पीछे बाइक से चल रहा था।

फतेहपुर जिले के हथगाँव थाना क्षेत्र के एक सुनसान स्थान पर पानी पीने और पेशाब करने के बहाने कार रुकवाई गई। तभी आरोपियों ने अंकित से मोबाइल छीनने का प्रयास किया, और जब उसने विरोध किया तो उसका गला घोंटकर हत्या कर दी गई। शव को कार की पिछली सीट पर रखकर नौबस्ता गंगा नदी पुल से फेंक दिया गया, जबकि मोबाइल भी नदी में बहा दिया गया। कार का पेट्रोल खत्म होने पर उसे ग्राम शाहपट्टी में छोड़कर सभी आरोपी ई-रिक्शा व ट्रेन से मुंबई भाग गए।

पुलिस ने काशीराम कालोनी के निकट गोल चौराहे से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया, 1 रेहान (पुत्र रमजान, आयु 20 वर्ष), 2शादाब (पुत्र मो. इकबाल, आयु 22 वर्ष), 3अल्तमस अहमद (पुत्र अंसार अली, आयु 23 वर्ष) तीनों मूल रूप से फतेहपुर जिले के ग्राम दिदौली जलालपुर के निवासी हैं। वांछित अभियुक्त सत्यम मिश्रा (उन्नाव) और घटना में सहयोग करने वाली अफसाना (पत्नी नफीस, फतेहपुर) की तलाश जारी है।

बिजली का तार बांधकर केस्को मुख्यालय पर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, सौपा मांगपत्र

» समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो कांग्रेस जनहित में आंदोलन करने को बाध्य होगी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर महानगर कांग्रेस के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में केस्को मुख्यालय के बाहर जोरदार नारेबाजी के साथ स्वयं पर बिजली का तार बांधकर और हाथों में पोस्टर लेकर प्रदर्शन करते हुए स्मार्ट/प्रीपेड मीटर की विसंगतियों, भीषण गर्मी में अघोषित कटौती और संवेदनहीन शिकायत निस्तारण प्रणाली आदि के कारण कानपुर की जनता को हो रही परेशानियों को उजागर किया और फिर निदेशक केस्को को इन ज्वलंत समस्याओं के सम्बन्ध में मांगपत्र भी सौंपा।इस दौरान पवन गुप्ता ने कहा कि कानपुर नगर की आम जनता वर्तमान में स्मार्ट एवं प्रीपेड बिजली मीटर व्यवस्था तथा बिजली आपूर्ति की अव्यवस्थाओं से अत्यंत परेशान है। भीषण गर्मी के इस समय में अघोषित बिजली कटौती, बार-बार फॉल्ट, तथा शिकायतों के समय पर निस्तारण न होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। विशेष रूप से स्मार्ट मीटर एवं प्रीपेड प्रणाली से त्राहिमाम मचा है। जो स्मार्ट मीटर लगवा लिए वो अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं। स्मार्ट और प्रीपेड मीटर में तेज रीडिंग एवं ओवरबिलिंग, प्रीपेड मोड में तकनीकी खराबी, बैलेंस समाप्त होने पर अचानक बिजली कट जाना, रिचार्ज कराने के बाद भी समय से सप्लाई बहाल न होना आम समस्या बन गई है।

साथ ही इस भीषण गर्मी में अघोषित बिजली कटौती एवं फॉल्ट और फिर समस्या निस्तारण की फेल प्रणाली ने जीना और दूभर किया हुआ है। केस्को अधिकारियों का संवेदनहीन रवैया बना हुआ है। मांग की गई कि स्मार्ट मीटरों की जांच कराकर ओवरबिलिंग की समस्या का तत्काल समाधान किया जाए, प्रीपेड मीटर प्रणाली की तकनीकी खामियों को दूर किया जाए, प्रीपेड में बैलेंस शून्य होने पर तत्काल बिजली बिना नोटिस न काटी जाए, बिजली आपूर्ति को नियमित एवं निर्बाध बनाया जाए, विशेषकर भीषण गर्मी के दौरान, शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए।

क्षेत्रीय स्तर पर शिकायत और बिलिंग निवारण का सिस्टम पहले की ही तरह लागू किया जाए,सब स्टेशन लेवल पर फॉल्ट और अन्य शिकायत के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए जो हर हाल में उपभोक्ता के फोन उठाए। साथ ही संवेदनहीन अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग भी की गई। और कानपुर में कहीं नए स्मार्ट मीटर न लगाने की भी माग की गई। कहा कि इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो कानपुर महानगर कांग्रेस जनहित में आंदोलन करने को बाध्य होगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी केस्को प्रशासन की होगी।इस दौरान हरप्रकाश अग्निहोत्री, प्रतिभा, अटल पाल, रमाकांत मिश्रा, श्याम देव सिंह, फजल खान, रितेश यादव, शीलू श्रीवास्तव, संदीप निषाद, राजलक्ष्मी सिंह, राकेश साहू, फहद अब्बासी, मुकेश वाल्मीकि, राजकिशोर वर्मा, जलील अहमद, अब्दुल जब्बार, अमिताभ मिश्रा, नागेंद्र यादव, धर्मेंद्र सिंह, जीतेंद्र ब्रह्म, नदीम अनवर, आफताब हसन, अनीस वारिस, विवेक सचान, रवि बाजपई, ऋषि कुमार, फुजैल जामी, रामजी दुबे, आशुतोष शुक्ला, अकील कुरैशी, मुकेश कन्नौजिया, गणेश चौधरी, पिंटू कुरील आदि मौजूद थे।

खड़े डंपर में घुसा दूसरा मौरंग से लदा डंपर, 2 सगे भाइयों की हुई दर्दनाक मौत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के नौबस्ता स्थित एलिवेटेड पुल पर शनिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सुबह करीब 4:30 बजे मौरंग से लदा एक डंपर, पुल पर खराब खड़े दूसरे डंपर में पीछे से जा घुसा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों भाई डंपर के केबिन में बुरी तरह फंस गए।

मृतकों की पहचान जालौन के कालपी क्षेत्र के छौंक निवासी 27 वर्षीय कमलकांत और 25 वर्षीय दीपक के रूप में हुई है।

दोनों भाई कालपी से मौरंग लादकर उन्नाव जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और पुल पर करीब दो किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। करीब तीन घंटे तक दोनों भाई केबिन में फंसे जिंदगी के लिए जूझते रहे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने उन्हें निकालने की कोशिश की, लेकिन केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण सफलता नहीं मिल सकी।

बाद में दो क्रेनों की मदद से दोनों डंपरों को अलग किया गया और केबिन को काटकर दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं, हनुमंत विहार थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह के अनुसार, खड़े डंपर में पीछे से टक्कर मारने के कारण यह हादसा हुआ।

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने को लेकर चलाया गया हस्ताक्षर अभियान

» पत्रकारों ने पत्रकार सुरक्षा कानून जल्द लागू किए जाने की उठाई मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। द जर्नलिस्ट एसोसिएशन कानपुर जिला कार्यकरणी द्वारा व संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश डी यादव के दिशा-निर्देशानुसार पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करवाने की मांग को लेकर शुक्रवार को कानपुर शहर के बड़ा चौराहा पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष एसपी सिंह ने किया।

इस दौरान पत्रकारों ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, इसलिए पत्रकारों की सुरक्षा के लिए मजबूत कानून लागू किया जाना आवश्यक है, ताकि पत्रकार निर्भय होकर निष्पक्ष रूप से पत्रकारिता कर सकें।

अभियान में प्रमुख रूप से उमेश पाण्डेय (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), राजू यदाव (मंडल प्रभारी), विनय पांडेय (तहसील अध्यक्ष), रेनू भरद्वाज, सरोज पासवान, नेहा शर्मा, रुद्रप्रताप सिंह, दुर्गेश कुमार, आरिफ, निलेश शर्मा, ए.के. द्विवेदी, सुनील कुमार, लाला यादव, भानु कुमार, रमन श्रीवास्तव, शैलेन्द्र सिंह तोमर, संतोष, अनिल दिक्षित, त्रिवेदी, संतोष चौरसिया, इरफान, राजू सैनी, संदीप बाजपेई अधिवक्ता, उमेश चन्द्र अधिवक्ता सहित तमाम पत्रकार साथी मौजूद रहे।

कानपुर में भगवान बुद्ध के पंचशील सिद्धांतों की दिलाई गई शपथ

कानपुर। महात्मा गौतम बुद्ध की 2570वीं जयंती के अवसर पर कानपुर नगर के गुजैनी स्थित डॉ. अम्बेडकर संस्थान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश पुलिस योजना निदेशक डॉ. के.एन. सिंह उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ. सिंह ने भगवान बुद्ध के पंचशील सिद्धांतों अहिंसा, चोरी न करना, दुराचार से दूर रहना, सत्य बोलना और नशा न करना पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उपस्थित जनसमूह को इन सिद्धांतों का पालन करने की शपथ दिलाई। डॉ. सिंह ने यथार्थ ध्यान योग एवं विपश्यना की तकनीकी जानकारी देते हुए बताया कि ध्यान की प्रक्रिया संत कबीर, गुरु नानक तथा जैन मुनियों की साधना पद्धतियों से भी साम्य रखती है।

गर्मी और लू से बचाओ के लिए जू में जानवरों के लिये विशेष व्यवस्था

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के साथ लू से जानवरों को बचाने के लिए कानपुर चिड़ियाघर प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की जा रही है। जहाँ बड़े जानवरों के बाडो में तापमान कम रखने की कवायद की जा रही है, तो वहीं अन्य जानवरों के लिये भी व्यापक व्यवस्था की जा रही है, मांसाहारी जानवरों के खान-पान में बदलाव किया जा रहा है तो शाकाहारी जानवरों के आहार में रसदार फल दिया जा रहा है।

कानपुर जू में भीषण गर्मी और लू को देखते हुए जानवरों के लिए चिड़ियाघर प्रशासन द्वारा तेजी से तैयारी की जा रही है। इस संबंध मे जानकारी देते हुए क्षत्रीय वनरक्षक नावेद एकराम ने बताया कि गर्मी और लुको देखते हुए जू में जानवरों के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। बताया चिड़ियाघर में 150 से अधिक वन्यजीव है बताया सभी बाडो मे कूलर लगाए जा रहे है साथ ही बाडो में फागर लगाए जा रहे है, इससे निकलने वाली फुहार बाडो को ठंडा रखने में मददगार होंगी, साथ ही तिरपाल और खस की चटाई से भी बाडो को ढका जा रहा है,

ताकि तापमान का प्रभाव कम किया जा सके।

बड़े जानवरों में गेंडा, बाघ आदि के बाडो में मिट्टी व पानी की व्यवस्था की गई है वह इस लिए कि जा इन जानवरों के बदन से मिट्टी चिपकेगी तो इन्हें ठंडक महसूस होगी। बताया कि मांसाहारी और शाकाहारी दोनो जानवरों के खान-पान में भी बदलाव किया गया है। जहाँ आहार में मांसाहारी जानवरो को मांस की मात्रा को घटाया गया है तो वहीं शाकाहारी जानवरो के लिये विशेष रूप से रसदार फलों को बढ़ाया गया है। सभी जानवरों के लिये विशेष रूप से पानी की व्यवस्था की गई है।

सरसौल के ग्राम हाथीपुर में टीम द्वारा ग्रामीणों को संचारी रोगों से बचाव हेतु दी गयी जानकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम हेतु जनपद में सतत गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में ब्लॉक सरसौल के ग्राम हाथीपुर में जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह, डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सिंह (ए.डी. ऑफिस, कानपुर मंडल), वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक प्रशान्त कुमार वर्मा एवं आई.एफ.डब्ल्यू. अरविन्द कुमार द्वारा संयुक्त रूप से क्षेत्र का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान टीम ने ग्राम हाथीपुर में संचालित दस्तक एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत घर-घर चल रही गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान वीसीपीएम रूबी जहां, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शशि द्विवेदी एवं आशा संगिनी रवीला अवस्थी मौके पर उपस्थित रहीं। टीम द्वारा ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर संचारी रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई तथा अभियान के अंतर्गत चिन्हित 12 प्रमुख रोगों के प्रति जागरूक किया गया।भ्रमण के दौरान क्षेत्रीय निवासी मजीद में खांसी एवं जुखाम के लक्षण पाए जाने पर उन्हें तत्काल नजदीकी सरकारी अस्पताल में जांच कराने की सलाह दी गई। वहीं मेवालाल के घर की छत पर रखे जल-पात्रों का निरीक्षण कर मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

टीम द्वारा राम कुमार तिवारी एवं अरविन्द कुमार के परिवार से भी संवाद किया गया, जिसमें आशा कार्यकर्ताओं की गतिविधियों, आभा आईडी एवं आयुष्मान कार्ड की प्रगति की समीक्षा की गई। निरीक्षण में पाया गया कि संबंधित परिवार अभी आयुष्मान योजना की पात्रता में नहीं है।अभियान के अंतर्गत आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्र में जनजागरूकता का कार्य किया जा रहा है, जिसका निरीक्षण भी टीम द्वारा किया गया। साथ ही जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम पर चर्चा की गई, जिसमें स्थानीय लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।निरीक्षण के दौरान कुल 45 घरों का सर्वे किया गया, जिसमें कोई भी घर पॉजिटिव नहीं पाया गया। साथ ही 241 जल-पात्रों की जांच की गई, जिनमें कहीं भी मच्छर लार्वा नहीं मिला। टीम द्वारा 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को विशेष रूप से जागरूक करते हुए उन्हें जल जमाव रोकने एवं स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।

निरीक्षण में यह भी पाया गया कि ग्राम में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई एवं पंचायत स्तर पर माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य किया जा रहा है। पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को पशु बाड़े आबादी से दूर रखने के निर्देश दिए गए, जबकि कृषि रक्षा विभाग द्वारा स्क्रब टाइफस जैसे रोगों के प्रति जागरूक किया गया।शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सोर्स रिडक्शन, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, इंडोर स्पेस स्प्रे, लार्वानाशक छिड़काव एवं एंटोमोलॉजिकल सर्वेक्षण नियमित रूप से कराया जा रहा है। साथ ही लोगों को जलभराव न होने देने, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने, आवश्यकतानुसार केरोसिन/जले मोबिल ऑयल के प्रयोग तथा मच्छररोधी क्रीम व पूरे शरीर को ढकने वाले वस्त्र पहनने की सलाह दी गई।

अधिवक्ताओं को सपरिवार कैशलेश इलाज दे या आयुष्मान से जोड़े सरकार: पं रवीन्द्र शर्मा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अधिवक्ता कल्याण संघर्ष समिति के नेतत्व में अधिवक्तागण निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा के लिए बार एसोसिएशन गेट से नारे लगाते जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचे जहां ज्ञापन सौंपा गया है।

संघर्ष समिति संयोजक पं रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लायर्स एसोसिएशन ने कहा कि न्यायालय के अधिकारी हम अधिवक्ताओं का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा न होने से अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों का बेहतर इलाज नहीं हो पा रहा है हम अधिवक्ताओं को सपरिवार कैशलेश इलाज देने या आयुष्मान योजना से जोड़े जाने के लिए वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं इसी क्रम में अभी कुछ समय पूर्व मुख्यमंत्री जी से उनके निवास पर मिलकर आयुष्मान से जोड़ने का प्रतिवेदन दे वार्ता की थी

जिसे उन्होंने बड़ी गंभीरता से लिया था किंतु अभी तक अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों का स्वास्थ्य बीमा न होने से उनका समुचित इलाज नहीं हो पा रहा है । सरकार द्वारा प्रदेश के करीब नौ लाख शिक्षकों को सपरिवार कैशलेश इलाज दिया गया उसका हम स्वागत करते है साथ ही सरकार से मांग करते है कि अधिवक्ताओं को भी सपरिवार कैशलेश इलाज दिया जाए या आयुष्मान योजना से जोड़ दिया जाए। जिलाधिकारी के प्रतिनिधि ज्वाला प्रसाद एस डी एम ने आकर ज्ञापन प्राप्त किया और कहा कि आपका प्रतिवेदन आवश्यक कार्यवाही हेतु मुख्यमंत्री कार्यालय भेज दिया जाएगा।

इस पर अधिवक्ताओं ने विश्वास जताया कि अब शीघ्र ही अधिवक्ताओं को सपरिवार कैशलेश इलाज मिलेगा या आयुष्मान योजना से जोड़ दिया जाएगा। प्रमुख रूप से विजय शुक्ला संजीव कपूर कुलदीप यादव राकेश सिद्धार्थ नवनीत पांडेय सुजीत गौड़ देश बंधु तिवारी पी के पांडेय संजय झा विजय वर्मा राधा कृष्ण देव अग्निहोत्री इंद्रेश मिश्रा वीर जोशी आदि रहे।

प्रयागराज प्रेस क्लब ने पत्रकारों की सुरक्षा एवं झूठे मुकदमों पर रोक के लिए सौंपा ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

प्रयागराज। प्रयागराज प्रेस क्लब की ओर से अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह के नेतृत्व में पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल ने डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य से मुलाकात की। उन्हें पुलिस आयुक्त को संबोधित ज्ञापन सौंपकर पत्रकारों को सुरक्षा प्रदान करने एवं झूठे मुकदमों पर रोक के लिए कठोर कदम उठाने की मांग की गई ।

प्रयागराज प्रेस क्लब ने मांग की है कि जनपद में पत्रकारों को सुरक्षा प्रदान की जाय और यदि उनके साथ कोई आपराधिक घटना होती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाय।

साथ ही आये दिन पत्रकारों के खिलाफ लिखे जा रहे झूठे मुकदमे पर प्रभावी रोक लगायी जाय।पत्रकारों के खिलाफ यदि कोई शिकायत की जाय तो ऐसे मामलों में बिना ठोस सबूत-साक्ष्य के एफआईआर दर्ज न की जाय।प्रयागराज कमिश्नरेट के सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया जाय कि समाचार संकलन के दौरान पत्रकारों के साथ सामंजस्यपूर्ण व्यहवार बनाने हुए जनहित में सही सूचनाएं पत्रकारों को समय पर उपलब्ध कराया जाय। अधिकारी एवं थानाध्यक्ष पत्रकारों के समाचार संकलन के कार्य में बाधक बनने के बजाय बात-व्यवहार ठीक रखते हुए शालीनता से पेश आयें।

ज्ञापन सौंपने वालों में क्लब के अध्यक्ष-आलोक कुमार सिंह, सचिव-अचिन्त्य रंजन मिश्र, कोषाध्यक्ष-आलोक मालवीय, वरिष्ठ पत्रकार आनंद राज, छायाकार गगन जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बंगाल चुनाव:पश्चिम बंगाल के दूसरे चरण में रिकॉर्ड मतदान, शाम 5 बजे तक 89.99% वोटिंग दर्ज

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता,। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दूसरे चरण और अंतिम चरण के लिए आज सुबह 7:00 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच मतदानचल रहे हैं है। निर्वाचन आयोग ने जानकारी देते हुआ बताया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में शाम पांच बजे तक 89.99 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

राज्य के सात जिलों की कुल 142 विधानसभा सीटों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं, जो लोकतंत्र के इस उत्सव में भारी जनभागीदारी का संकेत दे रही हैं। आज का यह चरण पश्चिम बंगाल की सत्ता का भविष्य तय करने में सबसे निर्णायक भूमिका निभाएगा।इस चरण में सबसे अधिक चर्चा भवानीपुर सीट की है, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भाजपा के दिग्गज नेता सुवेंदु अधिकारी के बीच कड़ा मुकाबला है। इसके अलावा कोलकाता और दक्षिण बंगाल के कई महत्वपूर्ण मंत्रियों और दिग्गज विपक्षी नेताओं की राजनीतिक किस्मत आज ईवीएम में बंद हो जाएगी। कुल 1,448 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनके भाग्य का फैसला राज्य के लगभग 3.21 करोड़ मतदाता करेंगे। निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष चुनाव के लिए मतदान केंद्रों पर व्यापक प्रबंध किए हैं।शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग ने सुरक्षा बलों की करीब 2,321 कंपनियां तैनात की हैं। संवेदनशील इलाकों में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए चप्पे-चप्पे पर निगरानी रखी जा रही है। मतदान प्रक्रिया शाम 6:00 बजे तक चलेगी। गौरतलब है कि पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर रिकॉर्ड 93.19 प्रतिशत मतदान हुआ था। आज के मतदान के साथ ही बंगाल की सभी 294 सीटों पर चुनाव संपन्न हो जाएंगे और नतीजों की घोषणा 4 मई को की जाएगी।

बंगाल का सियासी रण

पोलिंग बूथ पर खूनी संघर्ष, भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ता भिड़े, सुरक्षाबलों ने किया लाठीचार्ज

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मतदान के आखिरी चरण में हिंसा का साया बरकरार रहा। उत्तर 24 परगना में भाजपा और ञ्रस्ट के बीच जमकर बवाल हुआ। हिंसा की कई तस्वीरें भी सामने आई हैं। सुरक्षाबलों ने लाठीचार्ज भी किया है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के दौरान उत्तर 24 परगना जिले में भारी हिंसा की खबर सामने आई है। मतदान के आखिरी घंटों में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। यह घटना जिले के बूथ नंबर 120, अरबिंदा रैली क्षेत्र की है। मतदान प्रक्रिया जारी रहने के दौरान ही दोनों पक्षों के समर्थक आमने-सामने आ गए।

अर्जुन सिंह ने लगाया आरोप

देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी और मारपीट हुई। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल और सुरक्षा एजेंसियों को मौके पर भेजा गया। भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व सांसद अर्जुन सिंह भी मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया है।

चुनाव आयोग की पैनी नजर

चुनाव आयोग इस घटना पर पैनी नजर बनाए हुए है। बूथ संख्या 120 पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, तनाव काफी समय से बना हुआ था। जैसे ही मतदान अंतिम दौर में पहुंचा, हिंसा भड़क उठी। वीडियो फुटेज में कार्यकर्ताओं को एक-दूसरे पर हमला करते और अपशब्दों का प्रयोग करते देखा गया है। सुरक्षाबलों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज का भी सहारा लिया।

बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंचने वाले भाई को मिली मदद, सीएम मोहन चरण के दखल के बाद जागा प्रशासन

» मुख्यमंत्री के आदेश के बाद हरकत में आया प्रशासन

» बीपीएस न्यूज

भुवनेश्वर ।ओडिशा के क्योंझर जिले में एक आदिवासी युवक अपनी मृत बहन के पैसे निकालने के लिए उसका कंकाल लेकर बैंक पहुंच गया। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने क्योंझर जिले से सामने आई चौंकाने वाली घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। इस मामले में एक आदिवासी व्यक्ति अपनी बहन के कंकाल को कब्र से निकालकर बैंक ले गया था। बैंक अधिकारियों ने मृतका के खाते से पैसे देने के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र और कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने इस घटना को अत्यंत पीड़ादायक बताया है।उन्होंने अधिकारियों से अपील की है कि वे आम लोगों के प्रति अधिक संवेदनशील बनें। मुख्यमंत्री ने उत्तरी राजस्व मंडल आयुक्त को इस पूरी घटना की जांच करने का आदेश दिया है। उत्तरी आरडीसी इस मामले की जांच करेंगे।मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद जिला प्रशासन तुरंत हरकत में आया। आदिवासी व्यक्ति जीतू मुंडा को आर्थिक मदद मुहैया कराई गई है। जिला प्रशासन ने इस मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है ताकि यह पता चले कि किसी स्तर पर कोई लापरवाही तो नहीं हुई। जिला रेड क्रॉस फंड से जीतू मुंडा को बिना किसी देरी के 30,000 रुपए की वित्तीय सहायता दी गई है।प्रशासन ने जीतू मुंडा की मजबूरी को देखते हुए मृत्यु प्रमाण पत्र और कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र बनवाने में मदद की। मेडिकल अधिकारी ने फास्ट ट्रैक प्रक्रिया के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया। इसके बाद कलारा मुंडा के बैंक खाते में जमा 19,300 रुपए की राशि जीतू मुंडा को सौंप दी गई। तहसीलदार ने बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर कुल 19,402 रुपए जीतू को दिलाए।

क्या थी पूरी घटना

यह घटना 27 अप्रैल को हुई थी जब जीतू मुंडा ओडिशा ग्रामीण बैंक की शाखा में अपनी बहन कलारा मुंडा के कंकाल के साथ पहुंचे थे। बैंक के नियमों और दस्तावेजों की मांग से परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद देशभर में आक्रोश देखा गया। विपक्षी दलों ने राज्य सरकार और बैंकिंग व्यवस्था पर सवाल उठाए थे।जिला प्रशासन का कहना है कि यह घटना बैंकिंग जागरूकता की कमी के कारण हुई। प्रशासन ने प्रतिबद्धता जताई है कि भविष्य में किसी भी निर्दोष व्यक्ति को ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे दूरदराज के क्षेत्रों में सरकारी और बैंकिंग सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराएं।

छत्तीसगढ़:जमीन से 100 मीटर ऊपर हवा में एक घंटे तक मंडराता रहा हवाई जहाज, गांव में फैली दहशत

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। बुधवार की दोपहर एक यात्री हवाई जहाज सूरजपुर जिला अंतर्गत प्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम केवरा में लगभग एक घंटे तक मंडराता रहा। जहाज जमीन से लगभग सौ मीटर ऊपर था।इस तरह से जहाज को मंडराते हुए देख ग्रामीणों में किसी अनहोनी की आशंका से हड़कंप मच गया था। इस दौरान वह पार्वतीपुर, गौरा और कल्याणपुर में भी देखा गया।जहाज बार-बार इधर से उधर चक्कर लगा रहा था। मामले की जानकारी ग्रामीणों द्वारा प्रतापपुर पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस ने दरिमा हवाई अड्डे से संपर्क किया।वहां से जानकारी मिली कि जहाज इंडिगो कंपनी का है पर आसमान में क्यों मंडरा रहा है इसका कोई खास पता नहीं चल सका।अंततः काफी समय तक आसमान में मंडराने के बाद जहाज नजरों से ओझल हुआ तब कहीं जाकर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। अनुमान लगाया गया ।

5 राज्यों में किसकी होगी सरकार एग्जिट पोल के सटीक आंकड़े

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बुधवार को दूसरे चरण के चुनाव जारी हो गए हैं और अब सबकी निगाहें एग्जिट पोल के नतीजों पर टिकी हैं। पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजे कब घोषित होंगे? चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार, एग्जिट पोल के नतीजे सभी चरणों की मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही प्रकाशित किए जाएंगे। मतदान की अवधि के दौरान, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म को चुनाव से संबंधित किसी भी सामग्री को प्रकाशित या प्रसारित करने की अनुमति नहीं है। एग्जिट पोल के लिए सभी मीडिया संगठनों को अधिसूचना जारी कर सूचित किया गया है कि 9 अप्रैल, 2026 को सुबह 7:00 बजे से 29 अप्रैल, 2026 को शाम 6:30 बजे के बीच एग्जिट पोल कराना और उसके परिणाम प्रसारित करना प्रतिबंधित है। इससे स्पष्ट है कि पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और केरल के एग्जिट पोल के परिणाम बुधवार, 29 अप्रैल को शाम 6:30 बजे के बाद घोषित होने की संभावना है। पहले चरण में पश्चिम बंगाल में छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद लगभग 92 प्रतिशत का रिकॉर्ड मतदान हुआ, जबकि तमिलनाडु में 84 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। इन चारों राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश - केरल, असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी - में मतगणना 4 मई को होगी।

एग्जिट पोल विधानसभा या संसदीय चुनाव के परिणामों का अनुमान लगाने के लिए आयोजित

किए जाते हैं। ये पोल मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग करने के बाद किए जाते हैं। जनमत सर्वेक्षणों के विपरीत, एग्जिट पोल चुनाव के बाद किए जाने वाले सर्वेक्षण होते हैं। एग्जिट पोल के लिए, विभिन्न मीडिया आउटलेट विभिन्न आयु वर्ग, लिंग, जाति और भौगोलिक क्षेत्रों के मतदाताओं से पूछते हैं कि उन्होंने किसे समर्थन दिया। ध्यान दें- एग्जिट पोल के अनुमान अक्सर गलत साबित होते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में कई महत्वपूर्ण मुकाबले हो रहे हैं, जिनमें भाबनीपुर भी शामिल है, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी (टीएमसी) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार और विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ दोबारा चुनाव लड़ रही हैं। अन्य महत्वपूर्ण उम्मीदवारों में माथाभांगा से निसिथ प्रमाणिक (भाजपा), बहरामपुर से अधीर रंजन चौधरी (कांग्रेस), खड़गपुर सदर से दिलीप घोष (भाजपा), रेजीनगर से हुमायूं कबीर (जेयूपी), राशबिहारी से स्वपन दासगुप्ता (भाजपा), मानिकतला से तापस रॉय (भाजपा), टॉलीगंज से अरूप विश्वास (टीएमसी), दमदम से ब्रत्यब्रत बसु (टीएमसी), दम दम से अर्जुन सिंह (भाजपा) शामिल हैं। नोआपाड़ा, टॉलीगंज से पापिया डे अधिकारी (बीजेपी), पानीहाटी से रत्ना देबनाथ (बीजेपी), कोलकाता पोर्ट से फिरहाद हकीम (टीएमसी), कमरहाटी से मदन मित्रा (टीएमसी), बेलेघाटा से कुणाल कुमार घोष (टीएमसी), सबांग से मानस रंजन भुनिया (टीएमसी), सिलीगुड़ी से गौतम देब (टीएमसी), मालतीपुर से मौसम नूर (कांग्रेस), अग्निमित्रा पॉल (बीजेपी) आसनसोल दक्षिण, सिलीगुड़ी से शंकर घोष (भाजपा), दिनहाटा से उदयन गुहा (टीएमसी), और सोनारपुर दक्षिण से रूपा गांगुली (भाजपा) समेत अन्य शामिल हैं। सुवेंदु अधिकारी फिर से नंदीग्राम से चुनाव लड़ रहे हैं।

केरल विधानसभा चुनाव 2026 में कई महत्वपूर्ण मुकाबले देखने को मिल रहे हैं, जिनमें धर्मडोम भी शामिल है, जहां मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन (सीपीएम) कांग्रेस उम्मीदवार अब्दुल रशीद और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के के. रंजीत के खिलाफ पुनः चुनाव लड़ रहे हैं। परवूर में, कांग्रेस के वी.डी. सतीशान को सीपीआई के ई.टी. टायसन और भाजपा के वत्सला प्रसन्ना कुमार से चुनौती मिल रही है। अन्य महत्वपूर्ण उम्मीदवारों में नेमोम से राजीव चंद्रशेखर (भाजपा), के सुरेंद्रन (भाजपा), शोभा सुरेंद्रन (भाजपा), पेरावूर से केके शैलजा (सीपीएम), त्रिशूर से पद्मजा वेणुगोपाल (भाजपा), हरिपद से रमेश चेन्नितला (कांग्रेस), पुथुपल्ली से चांडी ओमन (कांग्रेस), कांजीरापल्ली से जॉर्ज कुरियन (भाजपा), पूंजर से पीसी जॉर्ज (भाजपा), के. मुरलीधरन (कांग्रेस) शामिल हैं।

गंगा एक्सप्रेस-वे का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया उद्घाटन, हरिद्वार से जुड़ाव का बड़ा ऐलान

उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा विकास पथ

» 594 किलोमीटर का यह एक्सप्रेस-वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ता है और 12 जिलों से होकर गुजरता

» बीपीएस न्यूज

हरदोई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को हरदोई से उत्तर प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का भव्य उद्घाटन कर प्रदेश को एक ऐतिहासिक सौगात दी। इस मौके पर उन्होंने एक्सप्रेस-वे को हरिद्वार से जोड़ने का बड़ा ऐलान करते हुए इसे राष्ट्रीय और धार्मिक दृष्टि से और अधिक महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल विकास का प्रतीक है, बल्कि रोजगार, उद्योग और पर्यटन के नए द्वार भी खोलेगी।

उद्घाटन कार्यक्रम से पहले प्रधानमंत्री ने एक्सप्रेस-वे किनारे पौधारोपण किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ कुछ दूरी तक पैदल चलकर परियोजना का निरीक्षण भी किया। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ता है और 12 जिलों से होकर गुजरता है। इसके शुरू होने से मेरठ से प्रयागराज की यात्रा अब मात्र 6 घंटे में पूरी हो सकेगी, जो पहले 11-12 घंटे में होती थी।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि विकास के मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जनता से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि प्रदेश में अब विकास की राजनीति ही आगे बढ़ेगी। गंगा एक्सप्रेस-वे आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें जगह-जगह पब्लिक कन्वीनियंस सेंटर बनाए गए हैं, जहां यात्रियों को ठहरने, भोजन और चिकित्सा की सुविधाएं मिलेंगी। विशेष रूप से ट्रॉमा सेंटर और फूड कोर्ट इसकी खास पहचान बनेंगे। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रंबल स्ट्रिप्स (उभरी पट्टियां) बनाई गई हैं, जिनसे वाहन के गुजरने पर कंपन महसूस होता है और चालक सतर्क हो जाता है।

इस एक्सप्रेस-वे की एक और बड़ी खासियत शाहजहांपुर के जलालाबाद के पास बनाई गई 3.5 किलोमीटर लंबी एयरस्ट्रिप है, जहां एयरफोर्स के फाइटर जेट्स नाइट लैंडिंग कर सकेंगे। यह देश की पहली ऐसी एयरस्ट्रिप है, जो रात में भी ऑपरेशन के लिए सक्षम है। हर 75 किलोमीटर पर पेट्रोल पंप की व्यवस्था की गई है, जिसे भारत पेट्रोलियम संचालित करेगा। लगभग 37,350 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना को पूरा होने में करीब 5 साल लगे। वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री द्वारा इसका शिलान्यास किया गया था।

गंगा एक्सप्रेस-वे के शुरू होने से प्रदेश के औद्योगिक, कृषि और पर्यटन क्षेत्रों को नई गति मिलने की उम्मीद है। यह न केवल यात्रा को आसान बनाएगा, बल्कि निवेश को भी आकर्षित करेगा और उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा।

26/11 केस में हुए थे बरी फहीम अंसारी-नहीं मिला ऑटो का परमिट, बॉम्बे हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

मुंबई । 26/11 मुंबई हमले के आरोपों से मुक्त होने के बावजूद फहीम अंसारी की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। सुरक्षा और पुराने रिकॉर्ड के आधार पर पुलिस ने उसे ऑटो चलाने का जरूरी सर्टिफिकेट देने से मना कर दिया है, जिस पर हाईकोर्ट ने भी मुहर लगा दी है।बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले में बरी हो चुके फहीम अंसारी की याचिका को खारिज कर दिया है। अंसारी ने अपनी आजीविका चलाने के लिए ऑटो रिक्शा चलाने की अनुमति मांगी थी। इसके लिए उसे पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट की जरूरत थी। लेकिन अदालत ने पुलिस की ओर से सर्टिफिकेट न दिए जाने के फैसले को सही ठहराया है।जस्टिस एएस गडकरी और जस्टिस रंजीतसिन्हा भोंसले की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। पीठ ने अंसारी की याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि संबंधित विभाग ने उसे सर्टिफिकेट देने से बिल्कुल सही इनकार किया था। इस मामले में कोर्ट बाद में विस्तृत आदेश जारी करेगा।फहीम अंसारी ने पिछले साल जनवरी में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उसने आरटीओ से ऑटो रिक्शा चलाने का बैज और परमिट मांगा था। इसके लिए अनिवार्य पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट के लिए आवेदन किया गया था। लेकिन पुलिस ने उसे सर्टिफिकेट देने से मना कर दिया। अंसारी ने आरटीआई के जरिए इसका कारण पूछा था। जवाब में अधिकारियों ने बताया कि आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के साथ उसके कथित संबंधों के कारण यह प्रमाण पत्र नहीं दिया जा सकता।

12 बंकर ध्वस्त, लुंगटर पहाड़ियों में मिले तीन ठिकाने

» इन बंकरों का इस्तेमाल जवाबी कार्रवाई के लिए किया जा रहा था

» हिंसा की घटनाओं में अब तक गई सात लोगों की जान

» छापेमारी में भारी हथियार बरामद

इम्फाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी और उखरुल जिलों में कार्रवाई करते हुए 12 अवैध बंकर ध्वस्त किए। ये बंकर कूकी और तांगखुल नागा समुदायों के सशस्त्र समूहों ने हालिया हिंसा के बाद बनाए थे। हिंसा में अब तक कम से कम सात लोगों की मौत और 30 से अधिक घर जलाए जा चुके हैं।मणिपुर में जारी तनाव के बीच सुरक्षा बलों ने व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाते हुए कांगपोकपी और उखरुल जिलों में कुल 12 अवैध बंकरों को ध्वस्त कर दिया। पुलिस ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि यह कार्रवाई मंगलवार को अलग-अलग संवेदनशील इलाकों में की गई।

पुलिस के अनुसार, कांगपोकपी जिले के सैकुल थाना क्षेत्र में लुंगटर हिल पर तीन अवैध बंकर नष्ट किए गए, जबकि टिंगपिबुंग और लेपलेन गांव में एक-एक बंकर को ध्वस्त किया गया। इसके अलावा उखरुल जिले के लिटन थाना क्षेत्र में सात अन्य बंकरों को भी सुरक्षा बलों ने नष्ट किया। ये सभी बंकर रणनीतिक तौर पर ऊंचे और संवेदनशील इलाकों में बनाए गए थे,

जिनका इस्तेमाल हमलों और जवाबी कार्रवाई के लिए किया जा रहा था।

पुलिस का कहना है कि ये अवैध बंकर फरवरी से शुरू हुई हिंसा के बाद कूकी और तांगखुल नागा समुदायों के सशस्त्र समूहों द्वारा बनाए गए थे।

तरबूज में नहीं मिली मिलावट, एक ही परिवार के चार सदस्यों की हुई थी मौत, जहर की आशंका

मुंबई के पायधुनी इलाके में एक ही परिवार के चार लोगों की संदिग्ध मौत के मामले में एक नया मोड़ आया है। शुरुआती जांच में जिस खाने (बिरयानी और तरबूज) को मौत की वजह माना जा रहा था, उसे क्लीन चिट मिल गई है। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, घर से लिए गए खाद्य पदार्थों के नमूनों में कोई मिलावट या हानिकारक तत्व नहीं पाए गए हैं। अब पुलिस और स्वास्थ्य अधिकारी ज़हर की आशंका पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मुंबई पुलिस इस मामले में टॉक्सिकोलॉजी रिपोर्ट का इंतज़ार कर रही है। यह घटना 26 अप्रैल को शहर के पायधुनी इलाके में हुई थी। इस रिपोर्ट से यह साफ होने की उम्मीद है कि क्या ज़्यादा मात्रा में पेनकिलर (दर्द निवारक दवा) या किसी ज़हरीले पदार्थ के कारण उनकी मौत हुई है।शुरुआती जांच में, महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन को परिवार द्वारा खाए गए भोजन में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं मिला है। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मॉर्फिन (एक दर्द निवारक दवा) की मौजूदगी और शरीर के कुछ ऊतकों में असामान्य रूप से हरे रंग का बदलाव पाया गया है। यह किसी ज़हरीले पदार्थ के संपर्क में आने का संकेत हो सकता है।महाराष्ट्र खाद्य ने पायधुनी स्थित परिवार के घर से खाने के 11 सैंपल लिए थे और उनकी जांच की। जांच में खाने में किसी भी तरह की मिलावट का कोई सबूत नहीं मिला। इन सैंपलों में बिरयानी, तरबूज, मिट्टी के घड़े और फ्रिज में रखा पानी, कच्चा और पका हुआ चावल, कच्चा और पका हुआ चिकन, खजूर और मसाले शामिल थे।

यह मामला 26 अप्रैल को तब सामने आया, जब 40 वर्षीय अब्दुल्ला डोकाडिया को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने डॉक्टरों को बताया था कि तरबूज खाने के बाद उनकी और उनके परिवार के सदस्यों—पत्नी नसरीन (35), और बेटियों आयशा (16) और ज़ैनब (13)—की तबीयत बिगड़ गई थी। बाद में इलाज के दौरान उन चारों की मौत हो गई। पुलिस ने 'आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट' दर्ज की और जांच शुरू कर दी।जांच में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि मामले के सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सका है। अधिकारी कलीना फोरेंसिक लैब, स्नष्ट और जेजे अस्पताल से आने वाली विस्तृत रिपोर्ट का इंतज़ार कर रहे हैं।

टॉक्सिकोलॉजी रिपोर्ट से यह साफ होने की उम्मीद है कि क्या किसी ज़हरीले पदार्थ का सेवन किया गया था, और अगर हां, तो वह किस समय किया गया था।

जांच के दौरान पुलिस को यह भी पता चला कि अब्दुल्ला एक बिल्डर से जुड़े धोखाधड़ी के मामले में गवाह हो सकते थे। अधिकारियों ने बताया कि इस जानकारी की पुष्टि की जा रही है, लेकिन इस स्तर पर इसे मौतों से जोड़ना जल्दबाजी होगी। पुलिस के अनुसार, अब तक कोई भी संदिग्ध वित्तीय लेन-देन सामने नहीं आया है। रिश्तेदारों के बयानों से पता चलता है कि परिवार स्थिर और खुशहाल था, और उनके बीच किसी तरह का कोई विवाद या चिंता नहीं थी। कॉल डिटेल रिकॉर्ड, डिजिटल संचार और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डेटा की जांच की जा रही है, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है।

हो जायें सावधान : चाय-बिस्कुट बच्चों को देना आखिर कितना खतरनाक, 5 बीमारियों का बढ़ सकता है खतरा ?

कई घरों में सुबह की शुरुआत आमतौर पर चाय और बिस्कुट या हल्के स्नैक्स से होती है। जब घर के बड़े ऐसा करते हैं, तो बच्चे भी यही आदत अपना लेते हैं। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक यह आदत बच्चों के लिए बिल्कुल अच्छी नहीं होती है। चाय और बिस्कुट से शरीर को जरूरी पोषण नहीं मिल पाता है। वहीं लंबे समय तक ऐसा नाश्ता करने से बच्चे के फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

वहीं बच्चे की इम्युनिटी भी कमजोर हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि बच्चे को हेल्दी नाश्ते का ऑप्शन दिया जाए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि चाय और बिस्कुट बच्चे के लिए अनहेल्दी क्यों है। साथ ही यह बच्चे की फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर कैसे बुरा असर डाल सकता है। सुबह का नाश्ता बच्चे के पूरे दिन की एनर्जी, ओवरऑल हेल्थ और दिमाग के काम के लिए बहुत जरूरी है। चाय-बिस्कुट में न के बराबर पोषण होता है। बिस्कुट ज्यादातर चीनी, मैदा और अनहेल्दी फैट से बना होता है। इनमें फाइबर, प्रोटीन, मिनरल्स और विटामिन जैसे पोषक तत्व न के बराबर पाए जाते हैं।

वहीं चाय में भी कोई खास पोषण नहीं होता है। चाय और बिस्कुट मिलकर 'खाली कैलोरी' देते हैं। जोकि पेट तो भरते हैं, लेकिन शरीर को जरूरी पोषण और ताकत नहीं देते हैं। इसी वजह से यह कॉम्बिनेशन बच्चों के लिए पूरी तरह से अनहेल्दी है।

चाय में टैनिन नामक तत्व पाया जाता है। जोकि शरीर में आयरन को सही तरीके से अवशोषित होने से रोकता है। अगर रोज सुबह बच्चा चाय पीता है, तो उनके शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। जोकि आगे चलकर एनीमिया का खतरा बढ़ सकता है। इससे बच्चे की इम्युनिटी और ग्रोथ दोनों पर निगेटिव असर पड़ सकता है।

बिस्कुट में चीनी अधिक होती है, जिससे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ता है और फिर अचानक से गिर जाता है। इस उतार-चढ़ाव के कारण बच्चे चिड़चिड़े हो सकते हैं। बच्चे का ध्यान कम लगने की शिकायत भी हो सकती है। वहीं बच्चे का बार-बार कुछ अनहेल्दी खाने की इच्छा हो सकती है।

बच्चों के लिए कैफीन वाली चाय सही नहीं होती है। यह उनकी नींद को खराब कर सकती है और बेचैनी को बढ़ा सकती है। इससे बच्चे की ध्यान लगाने की क्षमता और व्यवहार भी प्रभावित हो सकता है।

चाय-बिस्कुट का कॉम्बिनेशन शरीर को ज्यादा देर तक एनर्जी नहीं देता है। थोड़ी देर में बच्चा फिर भूख महसूस करने लगता है। जिससे वह ज्यादा खाना खा सकते हैं। या फिर बार-बार अनहेल्दी स्नैक्स मांग सकते हैं।

हर रोज चाय-बिस्कुट खाने से बच्चे के शरीर को पूरा पोषण नहीं मिल पाता है। जिससे बच्चे के विकास पर असर पड़ता है। ऐसी आदत की वजह से बच्चे जल्दी थक जाते हैं और उनकी इम्युनिटी कमजोर हो सकती है। शरीर में पोषक तत्वों खासकर कैल्शियम और आयरन की कमी हो सकती है।ज्यादा चीनी या तला भुना नाश्ता देने से बच्चे का मोटापा बढ़ सकता है। वहीं बच्चे को दांत से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।पोषण की कमी वाला नाश्ता बच्चे के दिमाग पर बुरा असर डाल सकता है। बच्चे को कॉन्स्ट्रेशन में समस्या होती है। याददाश्त कमजोर हो सकती है और शिक्षा के प्रदर्शन में भी गिरावट देखने को मिल सकती है।

माता-पिता को ध्यान रखना चाहिए कि आदत एकदम से नहीं छूटती है। इसलिए धीरे-धीरे चाय-बिस्कुट की जगह फल, दूध या हेल्दी नाश्ता देना शुरू करें।

तपती गर्मी में लू और थकान को कहें अलविदा, अब लें हेल्दी देशी एनर्जी ड्रिंक

तपती हुई धूप और बढ़ते तापमान के बीच बॉडी को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में बाजार में मिलने वाले मिलावटी सॉफ्ट ड्रिंक्स न पीने के बजाय नेचुरल चीजों से बनी हुई शरबात ही फायदेमंद साबित होते हैं। ये सेहत के लिए सबसे बेहतर माने जाते हैं, नेचुरल ड्रिंक में गुड़ का शरबत एक ऐसा ही समय के साथ परखा हुआ देसी ड्रिंक है। ये सिर्फ शरीर को ही नहीं ठंड़ा रखता है, बल्कि इसमें आयरन और कैल्शियम जैसे तत्व लू लगने से बचाते हैं। यह ड्रिंक उस लोगों के लिए बेहतरीन है, जो मीठे के शौकीन हैं लेकिन सेहत से समझौता नहीं करना चाहते हैं। आइए जानते हैं कि इस ड्रिंक को कैसे तैयार करना सबसे बेहतर तरीका माना जाता है।

गुड़ का शरबत बनाने के लिए आवश्यक सामग्री

घर पर यह स्वादिष्ट गुड़ के शरबत बनाने के लिए जिन चीजों की जरूरत होती हैं, उस लिस्ट में सबसे पहले 3 से 4 टेबलस्पून कद्दूकस किया हुआ गुड़, 1 गिलास एकदम ठंडा पानी, आधा छोटा चम्मच नींबू का रस, एक चुटकी काला नमक, एक चौथाई चम्मच भुना हुआ जीरा पाउडर, ताजे पुदीने के पत्ते और जरूरत के अनुसार बर्फ के टुकड़ों की शामिल हैं।

गुड़ को घोलने का तरीका

रेसिपी की शुरुआत करने के लिए सबसे पहले एक कटोरे जैसे बर्तन में पानी लें और उसमें कद्दूकस किया हुआ गुड़ डाल दें। गुड़ को पानी में अच्छी तरह घुलने के लिए कम से कम 5 से 10 मिनट का समय दें। इससे गुड़ का नेचुरल फ्लेवर पानी में अच्छी तर घुल जाता है।

अशुद्धियां या बारीक कण को निकाल दें

जब गुड़ पानी में पूरी तरह से घुल जाए, तो एक बारीक छलनी की मदद से इस मिश्रण को दूसरे बर्तन में छान लें। ऐसा करने से गुड़ में मौजूद किसी भी तरह की अशुद्धियां या बारीक कण निकल जाते हैं और आपको एक साफ शरबत मिल जाता है।

मसालों का सटीक तरह से मिलाएं

अब इस छने हुए गुड़ के पानी में नींबू का रस, काला नमक और भुना हुआ जीरा पाउडर मिला दें। नींबू की खटास और काले नमक का स्वाद गुड़ की मिठास को बैलेंस करने का काम करता है, जिससे शरबत का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है।

ताजगी का खास तड़का

अगर आप शरबत में और भी ज्यादा ताजगी चाहते हैं, तो इसमें पुदीने के पत्तों को हाथों से हल्का मसलकर डाल दें। पुदीने की खुशबू और गुड़ से बनी हुई ये ड्रिंक, एक अलग ही लेवल का तैयार होता है।

परोसने का तरीका

लास्ट में एक सर्विंग गिलास लें और उसमें अपनी पसंद के अनुसार बर्फ के टुकड़े डालें। तैयार किए गए मिश्रण को गिलास में पलटें और ठंडा-ठंडा परोसें। यह शरबत सिर्फ प्यास ही नहीं बुझाता है, बल्कि आपको दिन भर के फुर्तीला भी बनाकर रखता है।

फिल्म समीक्षा : आमिर खान प्रोडक्शन की फिल्म 'एक दिन'

आमिर खान प्रोडक्शन की फिल्म 'एक दिन' 1मई को रिलीज हो गई है। इस फिल्म की कहानी स्नेहा देसाई और स्पंदन देसाई ने लिखी है और सुनील पांडे ने डायरेक्ट की है। फिल्म की कहानी दिनेश (जुनैद खान) के इर्द-गिर्द घूमती है। दिनेश एक ऐसा कंप्यूटर गीक है जिसे उसके ऑफिस में किसी को भी उसकी मौजूदगी का एहसास नहीं।दिनेश को अपनी कलीग मीरा (साई पल्लवी) से एकतरफा प्यार है। फिल्म की कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब ऑफिस की पूरी टीम जापान के सपोरो जाती है।

यहां मीरा के साथ एक हादसा होता है और उसकी याददाश्त एक दिन के लिए (टेम्परारी अमनेशिया) चली जाती है। दिनेश को लगता है कि ये भगवान का इशारा है और आगे क्या होता है ये जानने के लिए आपको थिएटर में जाकर 'एक दिन' देखनी होगी। इमोशन को डिजिटल युग के हिसाब से निर्देशक सुनील पांडे ने स्क्रीन पर उतरने की कोशिश की है और इसमें वो आज के हिसाब से सफल भी माने जा सकते हैं। मनोज लोबो की सिनेमैटोग्राफी फिल्म का इकलौता प्लस पॉइंट है।

जापान की लोकेशन, बर्फ से ढकी वादियां और सपोरो का स्नो फेस्टिवल पर्दे पर बेहद खूबसूरत लगता है. राम संपत का बैकग्राउंड स्कोर भी कहानी की भावनाओं को थामने की कोशिश करता है। जुनैद खान फिल्म के हीरो हैं, काम भी ठीक ही किया है लेकिन उनका लाउड होना और किरदार के प्रति जरूरत से ज्यादा डेडिकेशन कभी-कभी बनावटी लगने लगता है। वहीं साई पल्लवी इस फिल्म की जान हैं। फिल्म के बाकी कलाकारों ने भी अपने किरदारों को न्याय देने की पूरी कोशिश की है। आमिर खान प्रोडक्शन की नवीनतम प्रस्तुति 'एक दिन', थाई फिल्म 'वन डे' पर आधारित है। हर इंसान सोचता है कि एक दिन ऐसा हो जाए। एक दिन वैसा हो जाए ये फिल्म उसी इमोशन को समेटने की नाकाम कोशिश करती है और संदेश दे जाती है कि जागती आंखों से सपने देखने वालों के सपने एक दिन सच हो जाते हैं।ज.पूरे हो जाते हैं।

फिल्म -एक दिन

कलाकार - जुनैद खान , साई पल्लवी और कुणाल कपूरलेखक -स्नेहा देसाई और स्पंदन देसाई

निर्देशक - सुनील पांडे

निर्माता -आमिर खान , मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

धुरंधर (पार्ट वन) जापान में 10 जुलाई को होगी रिलीज

हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर 'धुरंधर (पार्ट वन), अपने शानदार और रिकॉर्ड तोड़ ग्लोबल बॉक्स ऑफिस सफर के बाद अब 10 जुलाई को जापान में थिएटर रिलीज के लिए तैयार है। जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की इस फिल्म को आदित्य धर ने डायरेक्ट किया है। अपने बड़े पैमाने, दमदार कहानी और अलग जॉनर अपील के साथ, 'धुरंधर' जापान के दर्शकों से जुड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

फिल्म में जबरदस्त एक्शन, इमोशन और गहराई से बुनी कहानी देखने को मिलती है, जो इसे एक संदेशपरक फिल्म के रूप में परिभाषित करतीं है और सभी के लिए एंगेजिंग सिनेमाई अनुभव बनाती है। हाल के समय की सबसे चर्चित हिंदी फिल्मों में से एक 'धुरंधर' देशप्रेम को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है और इसने कई बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड भी तोड़े हैं। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे कलाकार नजर आते हैं।

धुरंधर (पार्ट 1) ने इंटरनेशनल मार्केट में भी बड़ा मुकाम हासिल किया। यह नॉर्थ अमेरिका में अब तक की नंबर 1 हिंदी फिल्म बनी, वहीं कनाडा और

ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म रही और यूके में भी टॉप परफॉर्म करने वाली भारतीय फिल्मों की श्रेणी में शामिल हुई है। इस स्पाई एक्शन एंटरटेनर ने पूर्व में, दुनियाभर में 1328 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया था।

मोनू हत्याकांड- थानेदारों के टरकाने पर भड़के परिजन, शव रख लगाया जाम, 31 घंटे बाद रिपोर्ट दर्ज, पांच टीमें गठित

गोलाघाट नई बस्ती के मोनू (35) की निर्मम तरीके से हुई हत्या में जांच से ज्यादा थानेदारों की आपसी खींचतान भारी रही

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोलाघाट नई बस्ती के मोनू की हत्या कर उसका चेहरा केमिकल से जला दिया गया था। पुलिस द्वारा घंटों तक सीमा विवाद में उलझे रहने और रिपोर्ट दर्ज न करने पर परिजनों ने शव सड़क पर रखकर जाम लगाया। भारी दबाव के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी पापन पॉल के खिलाफ मामला दर्ज किया है।कानपुर में गोलाघाट नई बस्ती के मोनू (35) की निर्मम तरीके से हुई हत्या में जांच से ज्यादा थानेदारों की आपसी खींचतान भारी रही। गंगा घाट पुलिस ने जहां मामले की जिम्मेदारी कैंट पुलिस के ऊपर डालकर पल्ला झाड़ा। वहीं कैंट पुलिस का कहना था घटनास्थल गंगा घाट क्षेत्र का है और वही जांच करेगी। एफआईआर के लिए परेशान परिजन ने मंगलवार दोपहर गोलाघाट तिराहे पर शव रखकर जाम लगा दिया, जिससे शुक्लागंज पुल पर लगभग डेढ़ घंटे तक यातायात प्रभावित रहा।दोनों तरफ पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया। डीसीपी पूर्वी के आश्वासन पर परिजन माने। करीब 31 घंटे बाद कैंट थाने में एफआईआर दर्ज हुई। कैंट थाना क्षेत्र के नई बस्ती गोला घाट निवासी मोनू का शव सोमवार सुबह गंगाघाट क्षेत्र के नरबीजपुर गांव में मिला था। उसके सिर और अन्य हिस्सों में चोटों के निशान थे, जबकि चेहरे को केमिकल से जलाया गया था। मोनू रविवार शाम लगभग सात बजे बिना बताए घर से निकला था।गंगाघाट थाने जाने के लिए निर्देशित कियाउसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट सोमवार को कैंट क्षेत्र में लिखवाई गई थी। परिजन मोनू की तलाश करते हुए शुक्लागंज पहुंचे और गंगाघाट पुलिस से मिले। उन्होंने शव की शिनाख्त की। पुलिस न शव को उन्नाव के पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया था। मंगलवार की सुबह पोस्टमार्टम हुआ। परिजन तहरीर लेकर इंतजार करते रहे। उन्हें कैंट थाने जाने के लिए कहा गया। कैंट पहुंचने पर गंगाघाट थाने जाने के लिए निर्देशित किया।इधर से उधर चक्कर लगाकर परेशान हुए परिजन दोपहर करीब दो बजे शव लेकर गोलाघाट तिराहे पहुंचे। यहां पुलिस के खिलाफ नाराजगी जताते हुए जाम लगा दिया। क्षेत्र के लोगों ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता को बुलाया। वह पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे और एफआईआर कराने की मांग की। जाम की वजह से शुक्लागंज पुल पर दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। देखते ही देखते जाम पांच किलोमीटर तक पहुंच गया।डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता, एडीसीपी पूर्वी शिवा सिंह ने घरवालों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन सभी एफआईआर दर्ज कराने पर अड़ गए। अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिजन व रिश्तेदार मानें। कैंट थाने में मोनू के पिता ओम कैलाश की तहरीर पर पापन पौल और अज्ञात साथी पर हत्या व साक्ष्य मिटाने की धाराओं में एफआईआर हुई। घरवालों को एफआईआर की कॉपी दी गई। शाम करीब पांच बजे डबकेश्वर घाट पर मोनू का अंतिम संस्कार हुआ।पुलिस और ट्रैफिक स्टाफ ने मशक्कत कर जाम खुलवायाकरीब डेढ़ घंटे के जाम की वजह से शुक्लागंज से कानपुर और कानपुर से शुक्लागंज के लिए जाने वाले लोगों की लाइन लग गई। कुछ लोगों ने किनारे से निकलने का प्रयास किया, लेकिन जाम लगाए लोगों की उनसे नोकझोंक हुई। जाम खुलने के एक से डेढ़ घंटे तक वाहन रुक-रुककर चलते रहे। उन्हें गंतव्य के लिए जाने में काफी समय लगा। पुलिस और ट्रैफिक स्टाफ ने मशक्कत कर जाम खुलवाया।

बीएनएसडी कॉलेज में पेपर लीक की साजिश, बाहरियों को बनाया कक्ष निरीक्षक, प्रधानाचार्य की भूमिका संदिग्ध

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बीएनएसडी इंटर कॉलेज में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान पेपर लीक की कोशिश पकड़ी गई है। डीएम की सूची से बाहर के दो लोग फर्जी कक्ष निरीक्षक बनकर अंदर पहुंच गए थे। केंद्र व्यवस्थापक अमर सिंह की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर डीआईओएस ने उनके निलंबन के आदेश दिए हैं।इस सवाल को लेकर डीआईओएस ने भी जांच और कार्रवाई के आदेश विद्यालय प्रबंधन को दिए हैं। कॉलेज में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान ड्यूटी के लिए बाहरी कक्ष निरीक्षकों के नाम डीएम कार्यालय से भेजे गए थे। तीन आरोपियों के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने जांच की तो संदीप चंद्र विश्वकर्मा और निर्मल कुमार बाहरी कक्ष निरीक्षक के तौर पर वहां मौजूद थे।पॉकेट प्रिंटर और मोबाइल फोन रखने को संदिग्ध क्यों नहीं मानाइनके नाम उस सूची में नहीं मिले। उनके पास मिले परिचय पत्र पर भी किसी अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं थे। ऐसे में पुलिस को केंद्र व्यवस्थापक अमर सिंह की भूमिका पर शक है, क्योंकि उन्होंने बिना मिलान किए किसी बाहरी व्यक्ति को कक्ष निरीक्षक के तौर पर काम करने की अनुमति कैसे दे दी। इसके अलावा बड़ा सवाल यह भी है कि सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद कॉलेज के प्रवक्ता अखिलेश यादव के यहां पॉकेट प्रिंटर और मोबाइल फोन रखने को संदिग्ध क्यों नहीं माना गया।एसीपी कर्नलगंज कर रहे हैं प्रकरण की जांचइसके बावजूद कैमरों की निगरानी में लापरवाही बरती गई क्योंकि कैसे एक कक्ष निरीक्षक ने दूसरे को प्रश्नपत्र देकर एनसीसी कमरे की ओर भेज दिया। अच्छी बात यह रही कि कॉलेज परिसर में मौजूद पुलिस कर्मियों की नजर संदीप पर पड़ गई और उसे पकड़ लिया। इस संबंध में डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्रकरण की जांच एसीपी कर्नलगंज कर रहे हैं। जांच में जिस किसी की भी संलिप्तता प्रतीत होगी, वह पुलिस की कार्रवाई की

जद में आएगा।बीएनएसडी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य और केंद्र व्यवस्थापक रहे अमर सिंह की भूमिका इस पूरे मामले में संदिग्ध है। ऐसे किसी भी मामले में गड़बड़ी होने पर पूरी जिम्मेदारी केंद्र व्यवस्थापक की होती है।डीएम की सूची से बाहर के दो लोग फर्जी कक्ष निरीक्षक बनकर अंदर पहुंच गए थे। केंद्र व्यवस्थापक अमर सिंह की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर डीआईओएस ने उनके निलंबन के आदेश दिए हैं।इस सवाल को लेकर डीआईओएस ने भी जांच और कार्रवाई के आदेश विद्यालय प्रबंधन को दिए हैं। इसलिए पूरे प्रकरण की कॉलेज स्तर पर सही जांच कराने और 24 घंटे में प्रधानाचार्य को निलंबित करने का पत्र प्रबंधन को भेजा गया है।

कानपुर नगर में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को बनाये रखने हेतु स्थानीय पुलिस बल व पीएसी बल के साथ संयुक्त रूप से किया गया फ्लैग मार्च

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल के निर्देशन में जनपद कानपुर नगर में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से व्यापक फ्लैग मार्च किया गया। इस क्रम में पूर्वी जोन में थाना नरवल, दक्षिण जोन में थाना नौबस्ता, पश्चिम जोन में थाना कल्याणपुर द्वारा स्थानीय पुलिस बल व पीएसी बल के साथ संयुक्त रूप से अपने-अपने थाना क्षेत्रों में प्रभारी अधिकारी की अध्यक्षता में फ्लैग मार्च किया गया।फ्लैग मार्च के दौरान प्रमुख मार्गों, भीड़-भाड़ वाले बाजारों एवं संवेदनशील स्थानों पर पैदल एवं वाहन द्वारा गश्त कर पुलिस की सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई गई। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की गई तथा आमजन, व्यापारियों एवं राहगीरों से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। साथ ही नागरिकों को अफवाहों से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु जागरूक किया गया।

लाइफलाइन बनी डेथलाइन: फोन पर नहीं आई एंबुलेंस लोकेशन ही पूछते रहे कर्मचारी, तड़प-तड़प कर मरीं मां-बेटियां

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नजफगढ़ में जहर खाने वाली मां-बेटियों को एक घंटे तक एंबुलेंस नहीं मिली। निजी वाहन से हैलट पहुंचने में हुई ढाई घंटे की देरी जानलेवा साबित हुई। परिजनों ने डीसीपी से शिकायत की। चौकी इंचार्ज ने निजी खर्च और वाहन से बच्चियों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। इसे स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही कहें या फिर बदइंतजामी। ग्रामीण क्षेत्र में 10 मिनट में पहुंचने का दंभ भरने वाली सरकारी एंबुलेंस का दावा महाराजपुर में एक बार फिर झूठा साबित हुआ। नजफगढ़ गांव में जहरीला पदार्थ खाने से अचेत हुई चांदनी और उसकी बेटी पायल और ब्यूटी को अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रामीणों के बार-बार फोन करने पर भी एंबुलेंस नहीं पहुंची।उन्हें निजी वाहन से स्वास्थ्य केंद्र से हैलट तक पहुंचाने में करीब ढाई घंटे का समय बर्बाद हो गया। तब तक तीनों की सांसे थम गईं। चांदनी के भाइयों का आरोप था कि अगर समय से अस्पताल पहुंच जाते, तो शायद तीनों जिंदा होते। इससे पहले भी 23 अप्रैल को छतमरा चौराहे पर गश खाकर गिरे मजदूर को 45 मिनट तक एंबुलेंस नहीं मिली थी। इससे उसकी जान चली गई थी।हालत बिगड़ने पर कई बार फोन किया गया

नजफगढ़ निवासी चांदनी और उसकी बेटियों पायल और ब्यूटी की मौत हो गई। पड़ोस में रहने वाले भाई धर्मेंद्र, जितेंद्र और प्रताप का कहना था कि उन लोगों को करीब 7.30 बजे जानकारी हुई, तो एंबुलेंस बुलाने के लिए 108 डायल किया। आरोप है कि शुरू में फोन उठने पर लोकेशन आदि पूछा गया, लेकिन गाड़ी नहीं आई। इसके बाद बहन की हालत बिगड़ने पर कई बार फोन किया गया।नाजुक हालत देखते हुए हैलट रेफर कर दियालेकिन एक घंटे बाद तक गाड़ी नहीं आ सकी। इस पर उन लोगों ने गांव के एक युवक की कार से आठ किमी दूर सरसौल स्थित सीएचसी पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने नाजुक हालत देखते हुए हैलट रेफर कर दिया। भाइयों का आरोप है कि बहन और भांजियों को जल्दी अस्पताल पहुंचाने के लिए डॉक्टर से मिनन्त की। आरोप है कि इस पर डॉक्टर ने सीएचसी में खड़ी एंबुलेंस के चालक को फोन किया, लेकिन कोई नही आया।समय से अगर अस्पताल पहुंच जाते, तो जान बचाई जा सकती थीइस तरह वह लोग निजी वाहन से करीब 9.45 बजे तीनों को हैलट लेकर पहुंचे वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। भाइयों का आरोप है कि हैलट में डॉक्टरों का कहना था कि वह लोग समय से अगर अस्पताल पहुंच जाते तो जान बचाई जा सकती थी। आरोप है कि घर से लेकर हैलट तक के बीच पहुंचने में करीब इलाज मिलने में ढाई घंटे का समय लग गया। अगर एंबुलेंस समय से आ जाती, तो तीनों की जान बचाई जा सकती थी।थाना प्रभारी महाराजपुर से जांच के निर्देश दिएतीनों भाइयों ने एंबुलेंस क न आने का आरोप मॉर्चुरी पहुंचे डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता से भी लगाया। इस पर उन्होंने थाना प्रभारी महाराजपुर से जांच के निर्देश दिए। इसी तरह महाराजपुर में लू के थपेड़ों के चलते बाइक से गश खाकर गिरे नरवल के मंधना निवासी मजदूर सुनील को 45 मिनट तक एंबुलेंस के न पहुंचने पर उसकी मौत हो गई थी।चौकी इंचार्ज ने अपनी कार से पोस्टमॉर्टम भेजे शवपरिवार की आर्थिक स्थिति सही न होने की वजह से पोस्टमॉर्टम भेजे जाने वाले वाहन का परिजन इंतजाम न कर सके। इसके बाद सुनहला चौकी इंचार्ज प्रवीण कुमार ने अपनी निजी कार से दोनों बच्चियों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाए।एंबुलेंस सेवा 108 का कंट्रोल रूम लखनऊ में है। इसमें निजी कर्मी काम करते हैं। महाराजपुर में एंबुलेंस के पहुंचने में देरी क्यों हो रही है। इसके बारे मे संबंधितों से जानकारी लेकर मुख्यालय भेजी जाएगी। -डॉ.हरिदत्त नेमी, सीएमओजेठ का आरोप- समोसे की लड़ाई के बाद से अलग हुए थे पति-पत्नी

चांदनी के जेठ शिव सिंह ने बताया कि भाई राकेश काफी शराब पीता था, जिसकी वजह से उसके और चांदनी के बीच में कई बार अनबन हुई। पांच साल पहले चांदनी ने भाई राकेश से समोसा मंगाया था, वह समोसा नहीं लेकर आया तो दोनों में रात भर विवाद हुआ। उसके बाद चांदनी ने अपने परिजन को बुला लिया और उनके साथ वह मायके चली गई। करीब चार महीने से भाई राकेश भी घर से बिना बताए कहीं चला गया है।मां बोली- पति ने बेटी की जान लेने की कोशिश की तो तोड़ा था रिश्ता

मां शांति ने बताया कि चांदनी का पति राकेश शराब का लती था। अक्सर नशे में धुत होकर घर आकर मारपीट था। करती तो उसे और बेटियों को मारता पीटता आरोप है कि जब छोटी बेटी ब्यूटी करीब छह माह की थी तभी पति ने नशे में उसे छत से फेंकने का प्रयास किया था। चांदनी पति को छोड़कर मायके में उनके साथ रह रही थी। करीब एक वर्ष पहले पति से लिखा-पढ़ी में अलगाव हो गया था।काम में सहयोग करने की बात कह स्कूल नहीं गई थीं बेटियांनानी शांति देवी ने बताया कि मंगलवार पायल और ब्यूटी स्कूल के लिए तैयार नहीं दिखीं। पूछने पर कहा कि नानी आज हमारा मन नहीं है। हम मम्मी के साथ घर के काम में सहयोग करेंगे। इतना कहकर दोनों बेटियां अंदर मां के पास चली गई थीं। वहीं, मामी रानी देवी ने बताया कि सुबह करीब सवा नौ बजे पारिवारिक देवर की आवाज सुनकर जब वह बाहर निकलीं तो उन्हें चांदनी के मुंह से झाग निकलता दिखा। दोनों बेटियां बेसुध सी थी।बच्चियों ने जान देकर फिर चुकाई घरेलू तनाव की कीमतचांदनी और उसकी बेटियों पायल व ब्यूटी के शवों का बुधवार को पोस्टमार्टम होगा। पुलिस ने शवों को हैलट की मांचुरी में रखवा दिया है। पारिवारिक तनाव के बीच उठे विवाद का असर सीधे बच्चों की सुरक्षा पर पड़ता दिख रहा है। सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर घरेलू कलह या तनाव की कीमत बच्चे कब तक चुकाते रहेंगे।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा परिक्षा केंद्रों का किया गया निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नीट (यूजी)2026 की लिखित परीक्षा के दृष्टिगत, पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी द्वारा श्री सुभाष स्मारक इण्टर कॉलेज साकेत नगर कानपुर नगर / कानपुर कन्या महाविद्यालय इंटर कॉलेज किदवई नगर कानपुर नगर/ महिला महाविद्यालय पीजी कॉलेज किदवई नगर कानपुर नगर एवं अन्य परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, अभ्यर्थियों की सुव्यवस्थित प्रवेश-व्यवस्था, बैठने की समुचित व्यवस्था, प्रकाश, स्वच्छता एवं पेयजल सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान केंद्र व्यवस्थापकों से समन्वय स्थापित करते हुए परीक्षा को

निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को सतर्कता के साथ दायित्व निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। परीक्षा केंद्रों के आसपास यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने, भीड़-भाड़ नियंत्रित करने एवं सुदृढ़ कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्दश दिये।

गैस पाइपलाइन लीक होने से लगी आग, आधे घंटे बाद भी नहीं पहुंची फायर ब्रिगेड

कानपुर। कल्याणपुर के पनकी रोड पर गैस पाइपलाइन लीक होने से आग लग गई है। फायर ब्रिगेड के समय पर न पहुंचने के कारण स्थानीय पुलिस के सिपाही खुद ही पानी डालकर आग बुझाने की कोशिशों में जुटे हैं।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगे हुए आधे घंटे से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन सूचना के बावजूद अब तक मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी नहीं पहुंची है। दमकल विभाग के इंतजार के बीच, पनकी रोड चौकी में तैनात सिपाहियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर मोर्चा संभाला।राहगीरों को घटनास्थल से दूर हटायापुलिसकर्मी बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाने और उसे फैलने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं।

घनी आबादी वाला क्षेत्र होने के कारण पाइपलाइन में लगी आग से बड़े हादसे का डर बना हुआ है। मौके पर पुलिस बल तैनात है और राहगीरों को घटनास्थल से दूर हटाया जा रहा है।

दिल्ली में युवती की संदिग्ध मौत में हत्या का आरोप, शरीर पर चोट के निशान,बिखरा पड़ा था कमरे में सामान

हमीरपुर । जिले के महिला थाने में तैनात महिला पीआरडी की 20 वर्षीय बेटी की तीन दिन पूर्व दिल्ली के न्यू अशोक नगर क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। परिजन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। परिजनों ने झांसी निवासी एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है।मृतका की बड़ी बहन रोशनी सिंह बुधवार को जिलाधिकारी से मिलकर निष्पक्ष जांच की गुहार लगाई है। बताया कि बीते 26 अप्रैल को न्यू अशोक नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक घर के अंदर उसकी बहन खुशी का शव फंदे से लटका मिला था। शरीर पर चोट के निशान थे, कमरे में सामान बिखरा पड़ा था ऐसा लग रहा था कि उसने अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष किया था।झांसी निवासी एक युवक पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए बताया कि उसकी बहन को दिल्ली में नौकरी दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया और उसकी हत्या कर शव को फंदे में लटकाकर भूमिगत हो गया है। बताया कि बीते वर्ष उसके खिलाफ सदर कोतवाली में पॉक्सों एक्ट के तहत दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोप लगाया कि आरोपी युवक के अन्य युवतियों से अनैतिक संबंध है। इस संबंध में कार्यवाहक कोतवाली प्रभारी देवेंद्र मिश्रा ने बताया कि परिजनों की ओर से उन्हें कोई लिखित शिकायती पत्र नहीं मिला है।

अपनों का सितम-संपत्ति के लिए बहू ने वृद्ध का सिर फोड़ा, गला दबा जान से मारने की कोशिश, रिपोर्ट दर्ज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। वृद्ध से मारपीट की घटना रावतपुर थानाक्षेत्र की है। बेटा, बहू और पोती के खिलाफ वृद्ध ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। रावतपुर थानाक्षेत्र में संपत्ति विवाद ने रिश्तों को शर्मसार कर दिया। वृद्ध दंपती ने बहू पर सिर फोड़ने, गला दबाकर जाने से मारने की कोशिश का आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने बेटे, बहू और पौत्री पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। रावतपुर के छोटा लखनपुर निवासी पुत्तनलाल (60) ने दर्ज रिपोर्ट में आरोप लगाया कि 17 अप्रैल की सुबह करीब 10 बजे उनकी बहू सारिका त्रिवेदी और पोती लवन्या घर का दरवाजा तोड़ने का प्रयास कर रही थीं।विरोध पर दोनों ने हमला कर दिया। इसमें वह और पत्नी घायल हो गए। आरोप है कि सारिका ने उनका गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की जबकि पोती ने सीने पर चढ़कर लात-घूंसों से पीटा।

सारिका ने पत्थर से उनका सिर फोड़ दिया। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। आरोप है कि बहू, बेटा हिमांशु और पोती मकान अपने नाम कराने या हर माह 20 हजार रुपये देने का दबाव बना रहे हैं। रुपये न देने पर झूठे मुकदमों में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी जाती है।पुलिस ने बेटे, बहू और पौत्री पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वृद्ध ने बताया कि वह पत्नी के साथ अपने हिस्से में रह रहे हैं लेकिन वहां भी लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है।

रावतपुर इंस्पेक्टर कमलेश राय ने बताया कि सारिका, हिमांशु, लवन्या के खिलाफ हमला करने, जबरन वसूली, धमकाने, मारपीट, गालीगलौज आदि धारा में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

ब्रह्मानंद कॉलेज में ऑफलाईन प्रवेश आवेदन प्रक्रिया शुरू

कानपुर। शैक्षिण सत्र 2026-27 के लिए ब्रह्मानंद कॉलेज में स्नातक व परास्नातक विषयों में ऑफलाइन प्रवेश प्रक्रिया 1 में से शुरू हो गई है सभी विषयों में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा।

ब्रह्मानंद कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया का आरंभ हो गया है । 1 मि से ऑफलाइन आवेदन की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है । इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रवेश पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर दिया जाएगा प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी समस्त कागजों के साथ कॉलेज के प्रवेश काउंटर पर आकर आवेदन जमा कर सकते हैं। कॉलेज में समर्थ पोर्टल पंजीकरण में सहायता के लिए हेल्प टैक्स भी बनाई गई है, इससे अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए कॉलेज की वेबसाइट पर संपर्क किया जा सकता है।

यह कॉलेज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आधुनिक प्रयोगशाला और अपने विशाल पुस्तकालय के लिए जाना जाता है साथ ही सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा कॉलेज को डीबीटी स्टार कॉलेज का दर्जा भी प्राप्त है। कॉलेज में बीएससी, बीकॉम, एमकॉम, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, एमएससी जूलॉजी, एमएससी केमेस्ट्री, एमएससी फिजिक्स, एमएससी मैथ विषय की सीटों पर आवेदन लिए जा रहे हैं।

ड्यूटी कटवाने की कतार में दिव्यांग शिक्षकों का जज्बा, जनगणना में निभाने की ठानी जिम्मेदारी

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। जनगणना 2027 की तैयारियों के बीच जिलाधिकारी के समक्ष रोजाना दर्जनों प्रकरण पहुंच रहे हैं, जिनमें कार्मिक अलग-अलग बहानों से ड्यूटी कटवाने की जुगत में लगे हैं। इसी माहौल में कुछ उदाहरण ऐसे भी सामने आए हैं, जिन्होंने कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना की अलग मिसाल पेश की है।

पं. जवाहर लाल नेहरू इंटर कॉलेज, जामू में तैनात सहायक अध्यापक विजय बहादुर 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता की श्रेणी में आते हैं जनगणना में उनकी ड्यूटी जोन-1 के प्रगणक के रूप में लगाई गई है। नियमों के अनुसार वे छूट के पात्र हैं। उनका मानना है कि जनगणना देश की योजनाओं की आधारशिला है और इसमें हर कार्मिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने अन्य कार्मिकों से भी आह्वान किया है कि वे बहानों से ऊपर उठकर इस राष्ट्रीय कार्य में योगदान दें। हरजिंदर नगर इंटर कॉलेज में तैनात सहायक अध्यापक जयप्रकाश शर्मा का जज्बा भी उल्लेखनीय है।कृत्रिम पैर होने के बावजूद उन्होंने जनगणना के दायित्व को प्राथमिकता दी और स्पष्ट किया कि शारीरिक सीमाएं कर्तव्य निर्वहन में बाधा नहीं बननी चाहिए। प्राथमिक विद्यालय सदिकामऊ, शिवराजपुर में कार्यरत शिक्षा मित्र दाहिने पैर से दिव्यांग मधु सिंह ने ड्यूटी हटाने के बजाय उसे सुगम बनाने का विकल्प चुना।जिलाधिकारी ने इसे सहर्ष स्वीकार करते हुए उनकी ड्यूटी को जोन-1 से हटाकर उनके घर के पास निर्धारित कर दिया, जिससे वे बिना अतिरिक्त कठिनाई के अपनी जिम्मेदारी निभा सकें।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने ऐसे कार्मिकों के जज्बे को प्रेरक बताते हुए कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में इनकी प्रतिबद्धता अन्य लोगों के लिए उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि जहां आवश्यक हो, वहां मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए कार्मिकों को सहयोग दिया जाए, लेकिन जिम्मेदारी निभाने की भावना ही व्यवस्था को मजबूत बनाती है।

फरार चल रहे 25-25 हजार रुपये के इनामी दंपति गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। रेलबाजार थाना क्षेत्र से बड़ी कार्रवाई सामने आई है, जहां पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे 25-25 हजार रुपये के इनामी दंपति गिरफ्तार कर लिया।

रेलबाजार थाना में दर्ज मुकदमा के तहत वांछित चल रहे अभियुक्त संजय तिवारी उर्फ त्रिपाठी उर्फ पंडित और उसकी पत्नी शिवांगी तिवारी उर्फ संगीता को पुलिस टीम ने जनपद मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार किया। दोनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

पुलिस के अनुसार, अभियुक्तगण लोगों को झांसे में लेकर निवेश और व्यापार के नाम पर मोटी रकम वसूलते थे। वे लोगों को दुकान खुलवाने और माल बिक्री पर कमीशन दिलाने का लालच देते थे। शुरुआत में भरोसा जीतकर पैसे लेते और बाद में तय शर्तों के अनुसार माल देना बंद कर देते थे, फिर संपर्क तोड़कर फरार हो जाते थे।इस गिरोह के खिलाफ उत्तर प्रदेश के कई जिलों के अलावा अन्य राज्यों में भी धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। रेलबाजार थाने में दर्ज मामले में भी आरोप है कि अभियुक्तों ने वादी से करीब 2.50 लाख रुपये की ठगी की थी। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, संजय तिवारी के खिलाफ कानपुर नगर, कुशीनगर, गोंडा और उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर सहित कई स्थानों पर धोखाधड़ी और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। वहीं शिवांगी तिवारी के खिलाफ भी कई आपराधिक मामले दर्ज पाए गए हैं। इस गिरफ्तारी में रेलबाजार थाना प्रभारी अमान सिंह के नेतृत्व में गठित टीम, उपनिरीक्षक संदीप शर्मा, कांस्टेबल रविंद्र कुमार और महिला कांस्टेबल पूजा रानी की अहम भूमिका रही।

भाजपा महिला पदाधिकारियों ने जन आक्रोश यात्रा निकाल फूंका पुतला, की गई जमकर नारेबाजी

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। कानपुर भाजपा नगर मंडल की महिला पदाधिकारियों ने महिला आरक्षण बिल के संसद में न पारित होने के विरोध में नौबस्ता स्थित वाटर पार्क चौराहे पर पैदल यात्रा निकालकर जन आक्रोश प्रदर्शन किया। महिला आयोग की सदस्य डॉ अनीता गुप्ता की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया और पुतला फूंका। इस मौके पर महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष स्नेह लता मिश्रा ने कहा आज उनकी अगुवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं ने सड़क पर उतरकर साबित कर दिया है कि महिलाओं के साथ भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्नेह लता मिश्रा ने बताया कि भाजपा के लिए नारी सशक्तिकरण केवल नारा नहीं, बल्कि संकल्प है, जिसे नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में धरातल पर उतारा जा रहा है। तथा संसद में महिला आरक्षण बिल गिराए जाने के बाद देश भर में महिलाओं में आक्रोश है और अब वह अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर आवाज उठा रही हैं। इस मौके पर मंडल उपाध्यक्ष नीरजा अवस्थी ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी व अखिलेश यादव के खिलाफ विरोध जताते हुए उनका पुतला दहन किया गया तथा कार्यकर्ताओं ने विपक्ष के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

समग्र विकास समन्वय समिति की बैठक में सख्ती जाम मुक्त शहर और मेट्रो विस्तार पर जोर

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कानपुर में यातायात जाम की समस्या पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां जरूरत हो वहीं यू-टर्न बनाएं, चौराहों का सर्वे कर कारण पता करें और ठोस योजना बनाकर शहर को जाम से मुक्ति दिलाएं।शनिवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में समग्र विकास समन्वय समिति की बैठक हुई। बैठक में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को तेज करने, यातायात प्रबंधन सुधारने और अन्य विकास कार्यों पर अहम फैसले लिए गए।

जाजमऊ से एयरपोर्ट तक सड़क को जाम मुक्त करने और एयरपोर्ट का वैकल्पिक मार्ग सुव्यवस्थित करने के निर्देश।रिंग रोड, गंगा बैराज, यूपीसीडा, शुक्लागंज, जाजमऊ समेत विभिन्न क्षेत्रों में 9 ब्रिज तैयार हो रहे हैं, जो शहर के लिए वरदान साबित होंगे।बैठक में विधानसभा अध्यक्ष महाना ने जाजमऊ से कानपुर एयरपोर्ट का रास्ता पूछा तो अधिकारियों के पास कोई जवाब नहीं था। सन्नाटा छा गया। महाना ने कहा, ÷रिंग रोड ठीक से बन जाए तो चंद मिनट का रास्ता है। जनता को सही जानकारी दें।

टेलर पर बच्ची से छेड़छाड़ का आरोप, पुलिस ने किया गिरफ्तार

कानपुर। हरबंश मोहाल थानाक्षेत्र में एक बच्ची के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। जिसके बाद परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मामला हरबंश मोहाल थाना क्षेत्र का है, जहां पड़ोस में रहने वाले 58 वर्षीय टेलर ने एक बच्ची के साथ छेड़छाड़ की। पीड़ित परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी टेलर को गिरफ्तार कर लिया। परिजनों के अनुसार यह घटना कल शाम 30 अप्रैल को हुई थी। उन्होंने थाना हरबंश मोहाल में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी।जिसके बाद आज पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी आशुतोष सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए पुष्टि की कि आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष के हस्तक्षेप पर दर्ज हुआ हत्या का मुकदमा

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। गोलाघाट में युवक मोनू पुत्र ओम कैलाश की हत्या दो दिन पहले रात को हो गई थी। पोस्टमार्टम के बाद शरीर परिजनों को दे दिया गया पर परिवार वालों की मांग पर हत्या का मुकदमा दर्ज नहीं हो रहा था और आरोपी भी गिरफ्तार नहीं किए गए। जिस पर परिजनों और गोलाघाट के लोगों ने सड़क पर शव रख कर जाम लगाया ।हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग करते हुए क्षेत्रीय लोगों ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता को बुलाया जिनके पहुंचने पर पुलिस अधिकारियों से वार्ता हुए और दबाव के बाद प्रशासन ने तत्काल नामजद मुकदमा दर्ज किया।कांग्रेस जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता को डीसीपी पूर्वी, एसीपी कैंट,एसएचओ कैंट समेत पुलिस अधिकारियों ने मुकदमा दर्ज कर पहले मोबाइल पे दिखाया और फिर जब स्रढ्ढक्र की कॉपी हाथ में दी गई तब पवन गुप्ता के समझाने के बाद पार्थिव शरीर हटाया गया। जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि पुलिस को इस मामले में इतनी देर करनी ही नहीं चाहिए। मृतक के परिजनों को न्याय मिलना चाहिए।

बीपीएस न्यूज़
(साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।